संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-20 अंक- 257
पृष्ठ 8
गुरुवार
06 जून 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित   Email : shaharsamta@gmail.com   Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- तकिया लेकर सोने की आदत..
विचार- आगे और कठिन लड़ाई है!
खेल- क्या आईपीएल की तरह न्यूयॉर्क ...

राष्ट्रपति से मिले नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री पद से दिया इस्तीफा

● 8 जून को तीसरी बार ले सकते हैं पीएम की शपथ

नई दिल्ली, एजेंसी। नरेंद्र मोदी के 8 जून को लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने की संभावना है क्योंकि एनडीए ने 292 सीटें जीतकर बहुमत का आंकड़ा पार कर लिया है। सूत्रों ने इस बात की जानकारी दी है। इन सब के बीत राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने प्रधानमंत्री और मंत्रिपरिषद के पद से मोदी का इस्तीफा स्वीकार कर लिया। मुर्मू ने मोदी से नई सरकार के कार्यभार संभालने तक अपने पद पर बने रहने का अनुरोध किया। अगर एनडीए सरकार बनाती है तो पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के बाद मोदी तीसरी बार सत्ता बरकरार रखने वाले दूसरे नेता होंगे। सूत्रों ने बताया कि इससे पहले दिन में, पीएम मोदी ने लोकसभा चुनाव परिणामों का जायजा लेने के लिए केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक की अध्यक्षता की और अगली सरकार के गठन से संबंधित मामलों पर भी चर्चा की। प्रधानमंत्री आवास पर बैठक सुबह 11.30 बजे शुरू हुई। यह मोदी 2.0 कैबिनेट और मंत्रिपरिषद की आखिरी बैठक थी। इस बीच, एनडीए के वरिष्ठ नेता गठबंधन की बैठक के लिए दिल्ली पहुंचने लगे हैं, जो शाम 4 बजे होने की संभावना है। एनडीए नेताओं के सरकार गठन के विवरण पर विचार-विमर्श करने की संभावना है। जदयू नेता और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और तेलुगु देशम पार्टी के अध्यक्ष चंद्रबाबू नायडू, जो आंध्र प्रदेश के अगले मुख्यमंत्री बनने जा रहे हैं, बैठक में भाग लेंगे।

सूत्रों ने बताया कि बीजेपी के सहयोगियों ने पहले ही मोदी 3.0 कैबिनेट के लिए बीजेपी को अपनी मांगें भेजनी शुरू कर दी हैं. जेडी (यू) ने 3 कैबिनेट सीटों की मांग की है, एकनाथ शिंदे शिव सेना गुट ने एक कैबिनेट और दो एमओएस बर्थ की मांग की है। चिराग पासवान के नेतृत्व वाली लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) एक कैबिनेट और एक राज्य मंत्री पद के लिए दबाव डाल सकती है। सूत्रों ने बताया कि भ।डौ() प्रमुख जीतम राम मांझी नई सरकार में कैबिनेट पद चाहते हैं।

विश्व पर्यावरण दिवस पर सीएम योगी ने किया पौधरोपण

लखनऊ, एजेंसी। विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में पौधारोपण किया। जिसकी फोटो उन्होंने सोशल साइट एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, माता भूमिः पुत्रोऽहं पृथिव्यारू, विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आज लखनऊ में पौधरोपण का सौभाग्य प्राप्त हुआ। धरती माता और प्रकृति के संरक्षण-संवर्धन के लिए उत्तर प्रदेश सरकार पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ सेवारत है। इससे पहले सीएम योगी एक और पोस्ट करते हुए लिखा, विश्व पर्यावरण दिवस की सभी पर्यावरण प्रेमियों एवं प्रदेश वासियों को हार्दिक बधाई! पर्यावरण का सीधा संबंध हमारे जीवन, हमारी सृष्टि से है। स्वच्छ-सुरक्षित पर्यावरण सभी प्राणियों के जीवन को सुगम बनाता है। आइए, अपनी सृष्टि की रक्षा हेतु पर्यावरण के संरक्षण के लिए संकल्पित हों। बता दें 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस मौके पर विभिन्न देश अलग अलग तरीके से पर्यावरण को लेकर अपने नागरिकों को जागरूक करने के लिए कार्यक्रमों का आयोजन करते हैं।

योगी को जन्मदिन पर पीएम ने दी बधाई

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का बुधवार यानि आज 5 जून को जन्मदिन है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने योगी आदित्यनाथ को उनके 52वें जन्मदिन पर बधाई दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सीएम योगी बधाई देते हुए एक्स पर पोस्ट किया कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्रीयोगी आदित्यनाथ जी को उनके जन्मदिन पर हार्दिक शुभकामनाएं। वे उत्तर प्रदेश की प्रगति और गरीबों व वंचितों के सशक्तिकरण के लिए काम कर रहे हैं। मैं उनके आने वाले समय में दीर्घायु और स्वस्थ जीवन की कामना करता हूँ।

गुजरात के कच्छ तट से 130 करोड़ रुपये की कोकीन जब्त

गांधीधाम, एजेसी। गुजरात के कच्छ जिले में गांधीधाम शहर के पास एक खाड़ी क्षेत्र से कोकीन के 13 लावारिस पैकेट बरामद किए गए, जिनकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 130 करोड़ रुपये है।एक पुलिस ने यह जानकारी दीद्य कच्छ-पूर्व प्रभाग के पुलिस अधीक्षक सागर बागमार ने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि तस्करों ने पकड़े जाने से बचने के लिए मादक पदार्थ को समुद्र के किनारे छिपा दिया था। उन्होंने बताया कि आठ महीने में उसी खाड़ी क्षेत्र से यह मादक पदार्थ की दूसरी बड़ी बरामदगी है। उन्होंने कहा, ''आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) और विशेष अभियान समूह की एक संयुक्त टीम ने गांधीधाम शहर के पास मीठी रोहर गांव से गुजरने वाले क्रीक क्षेत्र से 130 करोड़ रुपये मूल्य के कोकीन के 13 लावारिस पैकेट बरामद किए। बागमार ने कहा कि इस प्रतिबंधित सामग्री को तस्करों ने समुद्र के किनारे छिपा दिया था और ये पैकेट पिछले साल सितंबर में उसी इलाके से बरामद किए गए पैकेट के समान हैं। उन्होंने कहा कि एटीएस मामले की जांच कर रही है। पुलिस अधीक्षक (एटीएस) सुनील जोशी ने कहा, हमने कच्छ में गांधीधाम के पास एक खाड़ी क्षेत्र से तड़के कोकीन के 13 लावारिस पैकेट बरामद किए हैं। हर पैकेट का वजन एक किलोग्राम है। हमने अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है और आगे की जांच जारी है। पिछले साल सितंबर में, कच्छ-पूर्व पुलिस ने उसी क्षेत्र से कोकीन के 80 लावारिस पैकेट बरामद किए थे, जिनमें से प्रत्येक का वजन एक किलोग्राम था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में उसकी कीमत 800 करोड़ रुपये थी।

महाराष्ट्र में आने वाला है बड़ा राजनीतिक तूफान, फडणवीस ने कर दी इस्तीफे की पेशकश, शिंदे की चिंता बढ़ी

मुंबई, एजेंसी। लोकसभा चुनावों में भाजपा को महाराष्ट्र में भी करारा झटका लगा है। महाराष्ट्र में भाजपा ने शिवसेना और एनसीपी के साथ सरकार बनाने का जो प्रयोग किया था लगता है वह विफल रहा है। महाराष्ट्र में इसी साल अक्टूबर में विधानसभा चुनाव भी होने हैं इसीलिए भाजपा-शिवसेना-एनसीपी

की महायुति के माथे पर चिंता की लकीरें देखी जा सकती हैं। महाराष्ट्र में जिस तरह से कांग्रेस का उभार हुआ, उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने शानदार प्रदर्शन किया तथा शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी जोरदार नतीजे लेकर आई है उसको लेकर राज्य में सत्तारुढ़ गठबंधन के बीच बैठकों का दौर शुरू हो गया है। भाजपा ने आज मुंबई स्थित प्रदेश मुख्यालय पर आज वरिष्ठ नेताओं के साथ एक समीक्षा बैठक की। इस बैठक के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा, ''मैं महाराष्ट्र में ऐसे नतीजों की जिम्मेदारी लेता हूं। मैं पार्टी का नेतृत्व कर रहा था। मैं भाजपा आलाकमान से अनुरोध करता हूं कि मुझे सरकार की जिम्मेदारी से मुक्त किया जाए ताकि मैं आगामी चुनावों में पार्टी के लिए कड़ी मेहनत कर सकूं।''

आखिरी मंत्री परिषद की बैठक बोले पीएम मोदी

नंबर गेम चलता रहता है, हमने अच्छा काम किया है और करते रहेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को निवर्तमान केंद्रीय मंत्रिमंडल से कहा कि नेताओं को राजनीतिक संख्या के खेल के बावजूद देश और उसके नागरिकों के लिए काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि संख्याओं का खेल चलता रहेगा। आप राष्ट्र और समाज के लिए काम करते रहें। मोदी ने साफ तौर पर कहा कि 10 साल तक अच्छा काम किया गया है। इसे आगे ले जाना होगा। उन्होंने कहा कि हार-जीत राजनीति का हिस्सा है। मोदी अपने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) द्वारा लोकसभा चुनाव में 543 में से 292 सीटें जीतने के एक दिन बाद बोल रहे थे, जो बहुमत के आंकड़े से 19 अधिक है। उनकी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अपने दम पर 240 सीटें हासिल कीं। मोदी सप्ताहांत में रिकॉर्ड तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ले सकते हैं और एनडीए सरकार बनाने के लिए तैयार दिख रहा

है। इससे पहले बुधवार को पीएम और उनके केंद्रीय कैबिनेट मंत्री अपना इस्तीफा सौंपने राष्ट्रपति भवन गए थे। बाद में, तेलुगु देशम पार्टी के चंद्रबाबू नायडू और जनता दल (यूनाइटेड) के नीतीश कुमार सहित एनडीए के सहयोगी दोपहर में मिलेंगे। नायडू, जिनकी पार्टी ने 16 सीटें जीतीं, और कुमार, जिनकी पार्टी ने 12 सीटें हासिल कीं, सुर्खियों में हैं और सरकार गठन की बातचीत में प्रमुखता से शामिल होने की उम्मीद है। भारत के चुनाव आयोग द्वारा 543 लोकसभा क्षेत्रों में से 542 सीटों के नतीजे घोषित किए जाने के बाद भाजपा के नेतृत्व वाले राजग को लोकसभा में बहुमत मिलने के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार तीसरी बार सरकार बनाने की ओर अग्रसर हैं, जिसमें भाजपा ने 240 सीटें और कांग्रेस 99 सीटों पर जीत हासिल की है। 2024 के लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद अपने पहले भाषण में, मोदी ने तीसरे कार्यकाल के लिए अपना दृष्टिकोण रखा और कहा कि भ्रष्टाचार को उखाड़ फेंकना उनकी सरकार के मुख्य उद्देश्यों में से एक होगा और उनके कार्यकाल के दौरान सरकार द्वारा बड़े फैसले लिए जाएंगे।

अरविंद केजरीवाल को राहत नहीं, 19 जून तक बढ़ी न्यायिक हिरासत

नई दिल्ली, एजेंसी। शारब घोटाला मामले में राउज़ एवेन्यू कोर्ट ने दिल्ली के मुख्यमंत्री और आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की न्यायिक हिरासत 19 जून तक बढ़ा दी। उन्हें आज अदालत के समक्ष पेश किया गया। राउज़ एवेन्यू कोर्ट ने दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल द्वारा लगाई गई अंतरिम जमानत याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने एक्साइज पॉलिसी मनी लॉन्ड्रिंग मामले में चिकित्सा कारणों का हवाला देते हुए 7 दिन की जमानत मांगी थी। इस बीच, न्यायालय ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक चिकित्सा परीक्षण आयोजित करने का निर्देश दिया है। केजरीवाल ने उत्पाद शुल्क नीति से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा दी गई अंतरिम जमानत 1 जून को समाप्त होने के बाद 2 जून को राष्ट्रीय राजधानी की तिहाड़ जेल में आत्मसमर्पण कर दिया था। इससे पहले उन्होंने रविवार को राजघाट जाकर कनॉट प्लेस के हनुमान मंदिर में पूजा-अर्चना की।

लोग समझ गये हैं कि भाजपा के हाथों में उत्तर प्रदेश आगे नहीं बढ़ सकता : डिम्पल यादव

इटावा, एजेंसी। समाजवादी पार्टी (सपा) के मुखिया अखिलेश यादव की पत्नी और मैनपुरी से पार्टी सांसद डिम्पल यादव ने बुधवार को कहा कि लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश से आये परिणामों से जाहिर है कि लोग समझ चुके हैं कि भाजपा के हाथों में प्रदेश आगे नहीं बढ़ सकता। डिम्पल ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में उत्तर प्रदेश में लोकसभा चुनाव के नतीजों पर कहा, लोगों ने भारतीय

जनता पार्टी को नकार दिया है। उन्होंने कहा, चुनाव में रोजगार का मुद्दा था, किसानों का मुद्दा था, महंगाई और बिजली का मुद्दा था। पूरे प्रदेश में कोई भी विकास कार्य नहीं हो पा रहा है। मुख्यमंत्री की कोई दूरगामी सोच नहीं है। लोग समझ चुके हैं कि भारतीय जनता पार्टी के हाथों में प्रदेश आगे नहीं बढ़ सकता है। केन्द्र में विपक्षी 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस (इंडिया)' की सरकार बनने की सम्भावना से जुड़े सवाल पर सपा सांसद ने कहा, मैं समझती हूं कि इंडिया गठबंधन बहुत ही मजबूत स्थिति में है। गठबंधन का प्रदर्शन बहुत अच्छा रहा है। अब यह नेताओं पर निर्भर करता है कि वह किस तरह का तालमेल बैठा लेते हैं।'' इस सवाल पर कि क्या नरेन्द्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनेंगे, डिम्पल ने कहा, मैं इस बारे में कुछ कह नहीं सकती हूं क्योंकि यह समय ही बता पाएगा। लोकसभा चुनाव के मंगलवार को घोषित नतीजों में सपा ने अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 37 सीट पर जीत दर्ज की।

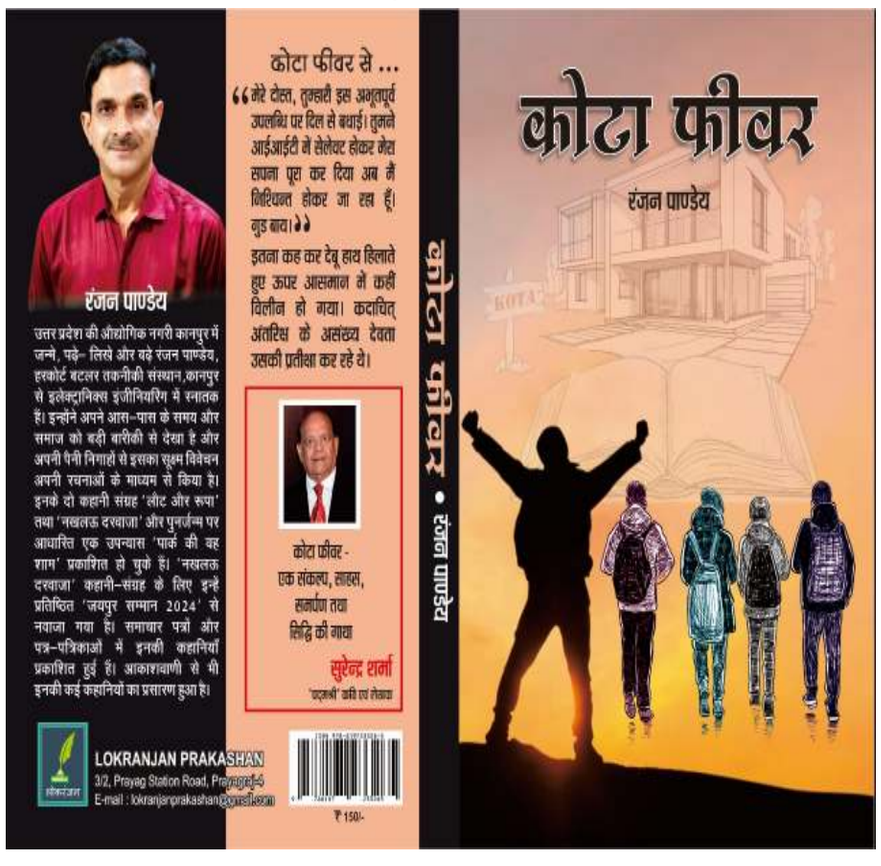

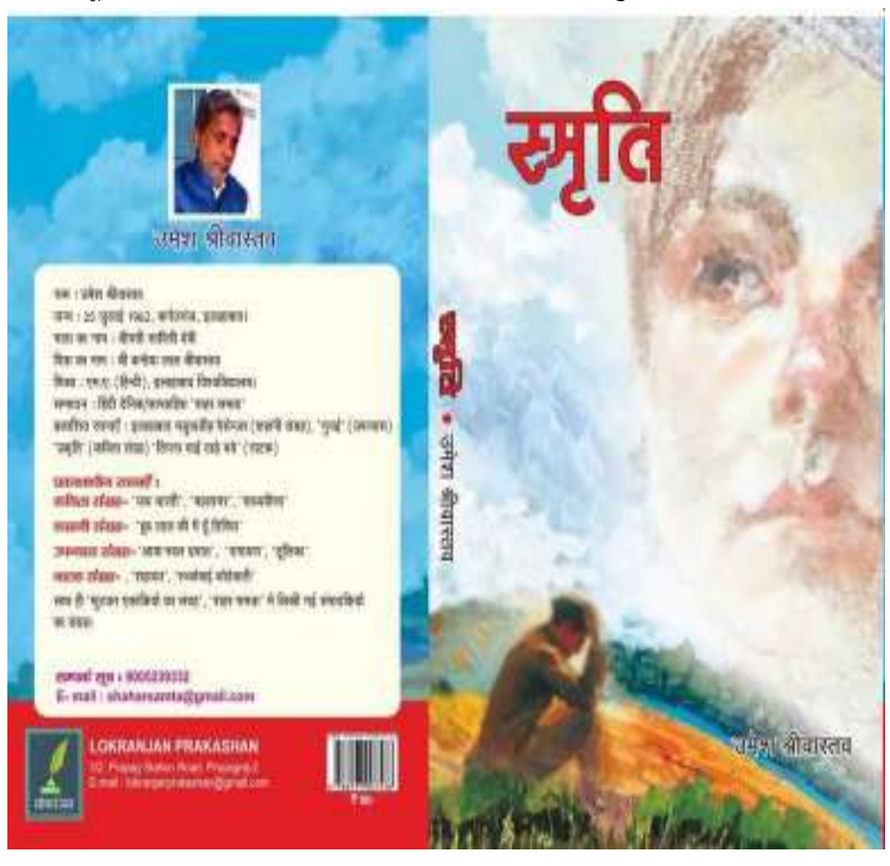

इलाहाबाद-फूलपुर के 25 प्रत्याशी नहीं बचा सके जमानत

दोनों सीटों पर चुनाव लड़ रहे बसपा कैंडिडेट की भी जमानत जब्त

प्रयागराज। इलाहाबाद और फूलपुर संसदीय सीट पर चुनाव लड़ रहे 25 प्रत्याशियों की जमानत जब्त हो गई। इन दोनों सीटों पर चुनाव लड़ रहे बसपा प्रत्याशी भी शामिल हैं। दरअसल, किसी भी सीट पर कुल पड़े वैध वोटों का छठवां हिस्सा नहीं पाने वाले

प्रत्याशी की जमानत जब्त हो जाती है। जो नामांकन के समय जमा की गई राशि वापस नहीं होती है।

आइए, जानते हैं किस प्रत्याशी की जमानत जब्त हुई

इलाहाबाद सीटः

रमेश पटेल, बसपा, 49144 मत।
गोपाल स्वरूप जोशी, निर्दल, 4248 मत।
अजीत कुमार पटेल, प्रगतिशील समाज पार्टी, 2642 मत।
हेमराज सिंह, पीपुल्स पार्टी, 2355 मत।
गीता रानी शर्मा, निर्दल, 2197 मत।
हंसराज को, अपना दल कमेरावादी, 2141 मत।
राजेंद्र प्रसाद प्रजापति, भागीदारी पार्टी 1847 मत।
अवनीश कुमार, निर्दल, 1835 मत।
अनुज स्वरूप शुक्ला, निर्दल, 1616 मत।
शिव प्रसाद विश्वकर्मा, सम्यक पार्टी, 1326 मत।
सर्वजीत सिंह, कमेरा समाज पार्टी, 1177 मत।
राजेंद्र प्रसाद पटेल, राष्ट्रीय समाज दल, 1025 मत।

फूलपुर सीट पर नहीं बची इनकी जमानत

जगन्नाथ पाल, बसपा, 82586 मत।
महिमा पटेल, अमपना दल कमेरावादी, 4162 मत।
जिलाजीत भारतीय, बहुजन अवाम पार्टी, 3299 मत।
सुनील कुमार प्रजापति, भागीदारी पार्टी, 3047 मत।
योगेश कुशवाहा, प्रगतिशील समाज पार्टी, 2771 मत।
अखिलेश त्रिपाठी, निर्दल, 2298 मत।
नफीस अहमद, निर्दल, 2147 मत।
डॉ. नीरज, निर्दल, 1710 मत।
संजीव कुमार मिश्र, युवा विकास पार्टी, 1679 मत।
मुसाहिर अहमद सिद्दीकी, पीपुल्स पार्टी, 1506 मत।
संगीता यादव, सुभासपा 1291 मत।
लालाराम सरोज, प्रबुद्धवादी बहुजन मोर्चा, 1052 मत।
प्रमोद भाई पटेल, सरदार पटेल सिद्धांत पार्टी, 948 मत।

ओवैसी-पल्लवी के प्रत्याशियों को नोटा से कम वोट

23 प्रत्याशियों को नोटा से कम वोट, 15412 वोटरों को नहीं पसंद आया कोई

प्रयागराज। प्रयागराज (इलाहाबाद) में इस लोकसभा चुनाव में अजब-गजब बातें और रिकॉर्ड भी सामने आए हैं। सबसे अहम तो प्रयागराज में इस बार मुस्लिम मतदाताओं ने एआईएमआईएम(।ण्डण्ड) के राष्ट्रीय अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी

की बातों को जरा भी महत्व नहीं दिया। हालात ये है कि इलाहाबाद और फूलपुर सीट पर ओवैसी के गठबंधन च्क्ड के प्रत्याशियों को नोटा से भी कम वोट मिले हैं। इलाहाबाद सीट पर 11 प्रत्याशी ऐसे रहे जो नोटा से कम वोट पाए। जबकि फूलपुर सीट पर 12 प्रत्याशियों को नोटा से भी कम वोट मिले। इसमें पीडीएम प्रत्याशी शामिल हैं।

आइए अब आपको बताते है नोटा की चोट

इलाहाबाद और फूलपुर संसदीय सीट पर कुल 23 प्रत्याशी, ऐसे रहे जो नोटा से हार गए। इनमें इलाहाबाद के 11 और फूलपुर के 12 प्रत्याशियों पर नोटा की चोट पड़ी। दोनों सीटों पर कुल मिलाकर 15412 वोटरों ने नोटा का बटन दबाया। इलाहाबाद सीट पर कुल 14 प्रत्याशी थे। पहले नंबर पर गठबंधन प्रत्याशी उज्जवल रमण सिंह, दूसरे नंबर पर रहे भाजपा प्रत्याशी नीरज त्रिपाठी और तीसरे नंबर पर बहुजन समाज पार्टी प्रत्याशी रमेश कुमार पटेल रहे। जबकि अन्य 11 प्रत्याशी नोटा से हार गए। इनमें अपना दल (कमेरावादी) के प्रत्याशी हंसराज कोल भी शामिल हैं। इस सीट पर कुल 9952 वोटरों ने नोटा का बटन दबाया।

फूलपुर सीट पर भी नोटा भारी पड़ा

फूलपुर सीट पर कुल 15 प्रत्याशी चुनावी मैदान में रहे। इनमें से भाजपा प्रत्याशी प्रवीण पटेल, गठबंधन प्रत्याशी अमरनाथ मौर्य और बहुजन समाज पार्टी प्रत्याशी जगन्नाथ पाल के अलावा अन्य 12 प्रत्याशियों ने नोटा से भी कम वोट हासिल किए। अपना दल (कमेरावादी) की प्रत्याशी महिमा पटेल को नोटा से कम वोट मिले। इस सीट पर नोटा का विकल्प चुनने वाले वोटरों की संख्या 5460 रही।

फूलपुर में आसान नहीं थी भाजपा की जीत

2014 में 3 लाख और 2019 में 1.71 लाख के अंतर से जीती थी भाजपा, इस बार महज 4332 का अंतर

प्रयागराज। प्रयागराज की फूलपुर लोकसभा सीट पर प्रवीण पटेल ने एक बार फिर कमल खिलाया है लेकिन भाजपा के लिए यह जीत इतनी आसान नहीं थी। इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि भाजपा के प्रवीण पटेल ने सपा प्रत्याशी अमरनाथ मौर्य से महज 4332 ज्यादा वोट पाया है। यह एक ऐसी सीट थी, जहां शाम 7 बजे तक उतार-चढ़ाव होता रहा। कभी प्रवीण पटेल कुछ वोटों से आगे हो रहे थे, तो कभी अमरनाथ मौर्य आगे बढ़े, दोनों के बीच कड़ा मुकाबला दिखा। अंततरू प्रवीण पटेल को जीत मिली। प्रवीण पटेल जीते लेकिन भाजपा का वोट यहां घट गया। तीन लोकसभा चुनाव में भाजपा को यहां से लगातार जीत मिली है। 2014 के लोकसभा चुनाव की बात की जाए तो केशव प्रसाद मौर्य ने रिकार्ड तोड़ वोट पाकर चुनाव जीते थे। केशव ने 3 लाख से ज्यादा अंतर से चुनाव जीते थे और उन्होंने यहां से कांग्रेस प्रत्याशी क्रिकेटर मो. कैफ को हराया था। इसी तरह 2019 में 1.71 लाख के मार्जिन से भाजपा की केसरी देवी पटेल ने जीत हासिल की थी। लेकिन इस बार भाजपा को महज 4332 वोटों के अंतर से जीत मिली है।

विकास नहीं जातीय समीकरण भी जीत की वजह

जिस फूलपुर सीट को पंडित जवाहर लाल नेहरू की सीट मानी जाती रही है, वहां अब लगातार तीन बार से भाजपा का कमल खिल रहा है। इसी सीट पर नेहरू के अलावा, पूर्व प्रधानमंत्री विश्वनाथ प्रताप सिंह, पंडित जनेश्वर मिश्र, राम मनोहर लोहिया जैसे कई दिग्गज भी चुनाव लड़ चुके हैं। यहां लगभग 20 लाख मतदाता हैं जिसमें तीन लाख से ज्यादा पटेल मतदाता हैं। यही कारण है कि यह निर्णायक की भूमिका में रहते हैं। दरअसल, फूलपुर संसदीय क्षेत्र पटेल बाहुल्य सीट है। यही कारण है कि यहां अमूमन पटेल बिरादरी को ही प्रत्याशी घोषित किया। 2018 के उपचुनाव से यहां का सांसद लगातार पटेल ही चुना जा रहा है। भाजपा यहां पिछले लोकसभा चुनाव में केसरी देवी पटेल को प्रत्याशी बनाई थी और 2022 के विधानसभा चुनाव में भी प्रवीण पटेल प्रत्याशी बने और चुनाव जीते। इस बार के लोकसभा चुनाव में भी प्रवीण पटेल को टिकट दिया। इस बार भी यहां मुद्दा विकास या रोजगार नहीं बल्कि जातीय समीकरण हावी रहा।

अतीक और कपिल मुनि करवरिया बने थे सांसद

फूलपुर सीट पर लगभग पिछड़ी जाति के प्रत्याशियों का दबदबा रहा है। लेकिन कई चुनावों में यहां बाहुबल भी हावी दिखा। वर्ष 2004 के लोकसभा चुनाव में माफिया अतीक अहमद चुनाव जीता था। इसी तरह 2009 में यहां बसपा के कपिल मुनि करवरिया सांसद चुने गए। लेकिन 2014 में केशव प्रसाद मौर्य यहां रिकार्ड तोड़ वोटों से पहली बार कमल खिलाने में सफल रहे। 2018 में हुए उपचुनाव में सपा के नागेंद्र सिंह पटेल चुनाव जीते। लेकिन साल भर बाद ही 2019 के चुनाव के बाद से यहां भाजपा की जीत होती रही। 2024 के चुनाव में प्रवीण पटेल को जहां कुल 4,52600 वोट मिले, जबकि सपा प्रत्याशी अमरनाथ सिंह मौर्य को 4,48268 वोटों से ही संतोष करना पड़ा। रिटर्निंग ऑफिसर डीएम नवनीत सिंह चहल ने प्रवीण पटेल को जीत का सर्टिफिकेट प्रदान किया।

अमरनाथ मौर्य ने कहा... हारा नहीं हराया गया मुझे

समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी अमरनाथ सिंह मौर्य ने अपनी हार के बाद चुनाव परिणाम पर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि "जनता ने मुझे जनादेश दिया था। धनबल, बाहुबल और प्रशासनिक मशीनरी का इस्तेमाल कर मुझे हरा दिया गया। फूलपुर की जनता और गठबंधन के साथियों का मुझे अपार स्नेह मिला। जिसका आभारी हूं। जनता के बीच मैं हमेशा बना रहूंगा। पार्टी में एक कार्यकर्ता की तरह काम करता रहूंगा।"

पांच राउंड तक दौड़े नीरज त्रिपाठी, छठे राउंड में उज्ज्वल ने लगाया टॉप गियर

प्रयागराज। इलाहाबाद संसदीय सीट पर मतगणना के दौरान गठबंधन प्रत्याशी उज्ज्वल रमण सिंह की रफ्तार देखने लायक रही। भाजपा प्रत्याशी नीरज त्रिपाठी शुरुआती तीन राउंड तक आगे रहे। चौथे राउंड में गठबंधन प्रत्याशी आगे निकले तो पांचवें राउंड में वह फिर आगे हो गए। इसके बाद गठबंधन प्रत्याशी ने टॉप गियर लगाया तो फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा। इसके बाद उनकी बढ़त बड़ी होती चली गई और अंतिम राउंड की गिनती के बाद वह भाजपा प्रत्याशी को 58352 वोटों से पीछे छोड़ चुके थे। भाजपा प्रत्याशी नीरज ने पहले राउंड में ही बढ़त बना ली। मतगणना खत्म होने पर पता चला कि उज्ज्वल रमण को जहां 15116 वोट मिले, जबकि नीरज 16811 वोट पाकर करीब 1700 वोटों से उनसे आगे निकल चुके थे। दूसरे राउंड में भी उनकी बढ़त बरकरार रही और इस राउंड की मतगणना खत्म होने पर वह 2600 वोटों से गठबंधन प्रत्याशी को पीछे छोड़ चुके थे। भाजपा प्रत्याशी तीसरे राउंड में भी सरपट दौड़ते रहे और बढ़त बरकरार रखते हुए इस राउंड की मतगणना समाप्त होने तक भी वह करीब 3300 वोटों से आगे रहे।चौथे राउंड में वह मामूली अंतर से पीछे हो गए, लेकिन पांचवें राउंड में फिर बढ़त बना ली। ऐसा माना जा रहा था कि रफ्तार यही रही तो जल्द भाजपा प्रत्याशी अच्छी खासी बढ़त कायम कर लेंगे।

हालांकि,यह अनुमान गलत साबित हुअ। गठबंधन प्रत्याशी उज्ज्वल रमण ने छठे राउंड में टॉप गियर लगा दिया। नतीजा यह हुआ कि छठे राउंड की मतगणना खत्म होने के बाद उन्होंने न सिर्फ भाजपा प्रत्याशी को पीछे छोड़ा, बल्कि लगभग 5100 वोटों की बड़ी बढ़त भी बना ली। एक बार आगे निकलने के बाद उन्होंने फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा और हर बीतते राउंड के साथ उनकी बढ़त और बड़ी होती चली गई। ऐसे में जब अंतिम राउंड की मतगणना पूरी हुई तो वह भाजपा प्रत्याशी से 58352 वोटों की बढ़त बना चुके थे।

27 राउंड की मतगणना, 20 किए अपने नाम

कुल 27 राउंड की मतगणना में से 20 राउंड उज्ज्वल रमण के नाम रहे। पहले तीन राउंड में पिछड़ने के बाद चौथे राउंड में 672 वोट की बढ़त बनाने के बाद वह पांचवें राउंड में 772 वोटों से पीछे हुए। छठे राउंड से फिर आगे होने के बाद 12 राउंड तक वह बढ़त बनाए रहे। इस राउंड तक उनके व भाजपा प्रत्याशी के बीच वोटों का अंतर लगभग 31000 हो गया था। इससे पहले के नौ राउंड से उन्होंने लगातार बढ़त बनाई हुई थी।

12वें राउंड की समाप्ति पर उनकी बढ़त कुल 30974 वोटों की थी। 13वें राउंड में उनकी रफ्तार तब हल्की सी कम हुई जब इस राउंड में उन्हें भाजपा प्रत्याशी से 93 वोट कम मिले। ऐसे में 13वें राउंड की मतगणना के बाद उनकी बढ़त घटकर 30881 पर आ गई। तब एक पल को ऐसा लगा कि अब शायद भाजपा प्रत्याशी इस बढ़त को और कम कर सकते हैं।

हालांकि, 14वें राउंड में उज्ज्वल ने फिर स्पीड पकड़ी और इसी का नतीजा रहा कि इस राउंड की समाप्ति पर उनकी बढ़त 32798 वोटों की हो चुकी थी। इसके बाद फिर उनके व भाजपा प्रत्याशी के बीच वोटों का फासला बढ़ता ही चला गया। आखिरी दो राउंड में भाजपा प्रत्याशी ने उनसे ज्यादा वोट हासिल किए, लेकिन यह नाकाफी साबित हुआ।

प्रत्याशियों का राउंडवार प्रदर्शन

राउंड बढ़त कौन आगे
राउंड-1 1695 भाजपा प्रत्याशी आगे
राउंड-2 2575 भाजपा प्रत्याशी आगे
राउंड-3 3328 भाजपा प्रत्याशी आगे
राउंड-4 672 गठबंधन प्रत्याशी आगे
राउंड-5 772 भाजपा प्रत्याशी आगे
राउंड-6 5190 गठबंधन प्रत्याशी आगे
राउंड-7 11644 गठबंधन प्रत्याशी आगे
राउंड-8 13645 गठबंधन प्रत्याशी आगे
राउंड-9 17865 गठबंधन प्रत्याशी आगे
राउंड-10 25161 गठबंधन प्रत्याशी आगे
राउंड-11 30107 गठबंधन प्रत्याशी आगे
राउंड-12 30974 गठबंधन प्रत्याशी आगे
राउंड-13 30881 गठबंधन प्रत्याशी आगे(इस राउंड में भाजपा प्रत्याशी को 93 वोट ज्यादा मिले, ऐसे में गठबंधन प्रत्याशी की बढ़त कम हुई)
राउंड-14 32798 गठबंधन प्रत्याशी आगे
राउंड-15 38062 गठबंधन प्रत्याशी आगे
राउंड-16 40551 गठबंधन प्रत्याशी आगे
राउंड-17 43824 गठबंधन प्रत्याशी आगे
राउंड-18 48650 गठबंधन प्रत्याशी आगे
राउंड-19 49086 गठबंधन प्रत्याशी आगे
राउंड-20 49890 गठबंधन प्रत्याशी आगे
राउंड-21 51415 गठबंधन प्रत्याशी आगे
राउंड-22 54546 गठबंधन प्रत्याशी आगे
राउंड-23 56196 गठबंधन प्रत्याशी आगे
राउंड 24 57508 गठबंधन प्रत्याशी आगे
राउंड 25 59075 गठबंधन प्रत्याशी आगे
राउंड 26 58676 गठबंधन प्रत्याशी आगे(इस राउंड में भाजपा प्रत्याशी को ज्यादा वोट मिले, ऐसे में गठबंधन प्रत्याशी की बढ़त कम हुई)
राउंड 27 58352 गठबंधन प्रत्याशी आगे(इस राउंड में भाजपा प्रत्याशी को ज्यादा वोट मिले, ऐसे में गठबंधन प्रत्याशी की बढ़त कम हुई)

फूलपुर में तीन मासूम छात्राओं की डूबने से मौत

तालाब में नहाने गईं थी तीनों, एक ही गांव की रहने वाली हैं सहेलियां

फूलपुर, प्रयागराज। प्रयागराज के फूलपुर सहसों कसेरूआ कला गांव स्थित तालाब में डूबने से तीन छात्राओं की दर्दनाक मौत हो गई। एक ही गांव की रहने वाली तीनों सहेलियां वहां नहाने गई थीं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं, घटना से तीनों परिवारों में कोहराम मचा है। एक साथ गांव में तीन मौत से पूरा गांव

मातम में छा गया। काजल (12) पुत्री पवन बिंद, निधि बिंद (12) पुत्री सुरेश और रानी बिंद (13) पुत्री जोगिंदर तीनों सरायइनायत के मनिकापुर के बाबूराही का पूरा गांव की रहने वाली थीं। दोपहर ये कसेरूआ कला गांव स्थित तालाब में नहाने के लिए गई थीं। इसी बीच अचानक डूबने लगीं। वहां खेल रहे दो बच्चों ने शोर मचाया तो गांव वाले एकत्र हो गए।आननफानन तीनों को बाहर निकालकर अस्पताल ले गए, जहां मृत घोषित कर दिया। कक्षा चार में पढ़ने वाली काजल दो भाइयों व दो बहनों में बड़ी थी। पिता ऑटो चलकर परिवार का भरण पोषण करते हैं। वहीं, रानी बिंद कक्षा आठ की छात्रा थी। वह चार भाइयों व एक बहन में तीसरे नंबर पर थी।

पुलिस ने तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा

पिता की मौत के बाद मां अनीता मजदूरी कर घर का भरण पोषण करती थीं। निधि दो भाइयों व तीन बहनों में दूसरे नंबर पर थी। वह कक्षा सात की छात्रा थी। पिता सुरेश बिंद मजदूरी कर परिवार का भरण पोषण करते हैं। मौके पर पहुंचे चौकी प्रभारी शिव प्रताप सिंह सहित अन्य सिपाहियों ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। तीनों छात्राओं की मौत से गांव में कोहराम मचा हुआ है। परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।

प्रयागराज में चल रहीं गर्म हवाएं, लू का असर तेज

दोपहर बाद अधिकतम तापमान 43 डिग्री सेंटिग्रेट तक पहुंचेगा, अभी जारी रहेगी गर्मी

प्रयागराज। प्रयागराज में आज बुधवार को भी तेज धूप और लू का असर दिखा। सुबह से ही तेज धूप की वजह ने काम पर

निकले लोगों की हिम्मत डगमगा दी। यहां गर्म हवा यानी लू का प्रकोप भी दिखने लगा है। लगातार तेज धूप और गर्म हवाएं लोगों का स्वास्थ्य को प्रभावित कर रहा है। यही स्थिति कल मंगलवार को भी रही। पूरे दिन धूप और गर्मी बनी रही। कल का अधिकतम तापमान 45.2 डिग्री सेंटिग्रेट दर्ज किया गया था और आज भी यही स्थिति है। सुबह 11 बजे तक तापमान 40 डिग्री सेंटिग्रेट पहुंच गया है और गर्मी भी बढ़ गई है। मौसम विभाग के मुताबिक दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक गर्मी बनी रहेगी। क्योंकि इस दौरान तापमान 43 डिग्री सेंटिग्रेट तक पहुंचेगा।

अभी जारी रहेंगी गर्म हवाएं और तेज धूप

मौसम विभाग के अनुसार, अभी प्रयागराज में गर्म हवाएं लोगों को परेशान करेंगी। 2 जून को नौतपा की अवधि भले ही खत्म हो गई हो, लेकिन गर्मी और लू से अभी कुछ विशेष राहत नहीं मिलने वाली है। तापमान में कुछ कमी आने की संभावना है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से लगातार अलर्ट किया जा रहा है कि लू और तेज धूप से बचकर रहने की जरूरत है ताकि स्वास्थ्य बेहतर रहे।

फूलपुर में भाजपा के प्रवीण पटेल जीते

सपा के अमरनाथ सिंह मौर्य को 4784 वोटों से हराया, जगन्नाथ पाल तीसरे नंबर पर रहे

प्रयागराज। फूलपुर लोकसभा सीट से भाजपा के प्रवीण पटेल ने जीत दर्ज की। उन्होंने सपा के अमर नाथ सिंह मौर्य को हराया।

जबकि तीसरे नंबर पर बसपा के जगन्नाथ पाल रहे। मतगणना वाले दिन सुबह से ही सपा और भाजपा में कांटें की टक्कर चल रही थी। लेकिन देर शाम तक भाजपा के प्रवीण पटेल ने बाजी मार ली। जीत के बाद उन्हें सर्टिफिकेट दिया गया।

संक्षिप्त

स्पाइसजेट की अगले कुछ महीनों में 25 करोड़ अमेरिकी डॉलर जुटाने की योजनाः एयरलाइन प्रमुख

विमानन कंपनी स्पाइसजेट के प्रमुख अजय सिंह ने बुधवार को कहा कि एयरलाइन अपना परिचालन बढ़ाने की दिशा में काम कर रही है और अगले कुछ महीनों में वह करीब 25 करोड़ डॉलर जुटाएगी। एयरलाइन पट्टादाताओं और ऋण संबंधी समस्याओं सहित अनेक चुनौतियों में घिरी है। सिंह ने कहा कि एयरलाइन को अचानक सामने आई समस्याओं और उसके प्रभावों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा, '' स्पाइसजेट को खत्म करना मुश्किल है...और हम समस्याओं से निपटने के प्रयास कर रहे हैं।'' सिंह ने कहा कि एयरलाइन का बही–खाता अगली दो तिमाहियों में ठीक हो जाएगा। सिंह ने राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित 'सीएपीए इंडिया एविएशन समिट' में कहा, '' एयरलाइन की अगले कुछ महीनों में 25 करोड़ अमेरिकी डॉलर जुटाने की योजना है और इसका भविष्य काफी उज्ज्वल है।'' कंपनी ने वर्तमान में कुछ विमानों को पट्टे पर दिया है, क्योंकि विभिन्न कारणों से उसके कई विमान उड़ान नहीं भर पा रहे। एयरलाइन के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक सिंह ने कहा, '' हम अपने बेड़े का विस्तार करेंगे।'' सिंह ने कहा कि यह महत्वपूर्ण है कि भारत में विमानन केंद्र हो और इस संबंध में '' हमें हर संभव कदम उठाने की जरूरत है।

रुपया शुरुआती कारोबार में सात पैसे की बढ़त के साथ 83.44 प्रति डॉलर पर

घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक रुख और विदेशों में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के बीच रुपया बुधवार को शुरुआती कारोबार में निचले स्तर से उबरकर सात पैसे मजबूत हुआ और अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.44 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि मूल्य–खरीद की होड़ से शेयर बाजारों में तेजी आई, जिससे स्थानीय मुद्रा को बल मिला। आम चुनाव के परिणाम में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को उम्मीद से कम बहुमत मिलने से मंगलवार को रुपये में भारी गिरावट आई थी। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 83.50 प्रति

डॉलर पर खुला। शुरुआती सौदों के बाद 83.44 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले सात पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया मंगलवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.51 पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को परखने वाला डॉलर सूचकांक 0.09 प्रतिशत की बढ़त के साथ 104.14 पर रहा। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा 0.03 प्रतिशत की गिरावट के साथ 77.50 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। बीएसई का 30 शेयर वाला सूचकांक सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 172.89 अंक की बढ़त के साथ 72,251.94 अंक पर आ गया। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) पूंजी बाजार में मंगलवार को बिकवाल रहे और शुद्ध रूप से 12,436.22 करोड़ रुपये की कीमत के शेयर बेचे।

टाटा मोटर्स फाइनेंस का टाटा कैपिटल के साथ विलय को निदेशक मंडल की मंजूरी

नयी दिल्ली। टाटा मोटर्स फाइनेंस का टाटा कैपिटल के साथ विलय को उनके संबंधित निदेशक मंडलों से मंजूरी मिल गयी है। टाटा मोटर्स फाइनेंस लिमिटेड, टाटा मोटर्स लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी है। वाहन कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि उसके निदेशक मंडल ने टाटा मोटर्स फाइनेंस लिमिटेड का टाटा कैपिटल लिमिटेड के साथ विलय को मंजूरी दे दी है। सूचना में कहा गया है,

''टाटा मोटर्स लिमिटेड (टीएमएल), टाटा कैपिटल लिमिटेड (टीसीएल) और टाटा मोटर्स फाइनेंस लिमिटेड (टीएमएफएल) के निदेशक मंडलों ने आज एनसीएलटी व्यवस्था योजना के माध्यम से टीएमएफएल का टीसीएल के साथ विलय को मंजूरी दे दी है।'' इस विलय के तहत टीसीएल अपने इक्विटी शेयर टीएमएफएल के शेयरधारकों को जारी करेगा, जिसके परिणामस्वरूप टाटा मोटर्स के पास विलय की गई इकाई में प्रभावी रूप से 4.7 प्रतिशत हिस्सेदारी होगी। इसमें कहा गया है कि यह लेनदेन वाहन कंपनी के गैर–प्रमुख व्यवसायों से बाहर निकलने और उभरती प्रौद्योगिकियों और उत्पादों पर अपने पूंजीगत व्यय को केंद्रित करने के घोषित उद्देश्य के अनुरूप है। टाटा मोटर्स ने कहा कि इस योजना सेबी, रिजर्व बैंक, एनसीएलटी और टीसीएल तथा टीएमएफएल के सभी शेयरधारकों तथा कर्जदाताओं के अनुमोदन पर निर्भर करेगी तथा इसे पूरा होने में नौ से 12 महीने लगेंगे।

क्या आईपीएल की तरह न्यूयॉर्क की पिच पर भी बरसेंगे रन ? कप्तान रोहित ने दिया ये बयान

न्यूयॉर्क। भारतीय टीम बुधवार को आयरलैंड के खिलाफ टी20 विश्व कप का अभियान शुरू करने के लिए तैयार है। दोनों टीमों के बीच यह मुकाबला न्यूयॉर्क के नासाउ काउंटी इंटरनेशनल स्टेडियम पर खेला जाना है। मैच से पहले भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने स्पष्ट कहा कि यहां की पिच पर बल्लेबाजी करना चुनौतीपूर्ण है और आईपीएल की तुलना में इस पिच पर बल्लेबाजों को कठिनाई होगी।

श्रीलंका टीम की बल्लेबाजी रही थी फ्लॉप

इस स्टेडियम में हाल ही में श्रीलंका और दक्षिण अफ्रीका के बीच मुकाबला खेला गया था जिसमे श्रीलंका की बल्लेबाजी पूरी तरह फ्लॉप रही थी। श्रीलंकाई टीम 19.1 ओवर में 77 रन पर सिमट गई थी। जवाब में दक्षिण अफ्रीका ने 16.2 ओवर में चार विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया था। श्रीलंका के आठ बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा नहीं छू सके थे। इनमें से चार बल्लेबाज खाता नहीं खोल पाए।

यहां आराम से स्कोर नहीं बनेंगे

रोहित ने आयरलैंड के खिलाफ मैच से पहले कहा, यह ऐसी पिच नहीं है जहां आराम से रन बनेंगे इसलिए हमें इस बात का ध्यान रखना होगा और देखना पड़ेगा कि हम ज्यादा से ज्यादा क्या कर सकते हैं। हमने ड्रेसिंग रूम में भी इस बात पर चर्चा की है और हमें इसका काफी अनुभव भी है। हम आईपील में खेलकर यहां आए हैं जहां काफी रन बन रहे थे, इसलिए जरूरी है कि वो संतुलन बना रहे और यह समझना होगा कि यहां किस चीज की जरूरत है। इस पिच पर आईपीएल जैसे स्कोर तो नहीं बनेंगे और हमें इस बात को दिमाग में रखना होगा। हमें जल्द से जल्द परिस्थितियों में ढलना होगा।

संयोजन को लेकर कप्तान ने रखी राय

भारतीय कप्तान ने टीम संयोजन को लेकर भी अपनी राय रखी और बताया कि तेज गेंदबाज और स्पिनर के बीच संतुलन कितना जरूरी है। बांग्लादेश के खिलाफ अभ्यास मैच को देखते हुए रोहित ने स्पिनरों के प्रभाव पर भी बात की। रोहित ने कहा, बांग्लादेश के खिलाफ मैच में हमारे तीन स्पिनरों ने दो–दो ओवर गेंदबाजी की। दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका के बीच मैच में भी स्पिनरों ने विकेट लिए। किसी को भी परिस्थितियां पता नहीं है।

अतीत को पीछे छोड़ मौजूदा समय पर ध्यान केंद्रित

भारत ने 2013 से आईसीसी खिताब नहीं जीता है और इसे लेकर काफी चर्चा हो रही है। रोहित ने कहा कि मौजूदा समय पर ध्यान केंद्रित करना ज्यादा जरूरी है। उन्होंने कहा, मैंने इस बारे में काफी विचार किया है, लेकिन मैं बस अपने हिसाब से खेलूंगा और सभी को एक टीम के रूप में साथ लेकर चलूंगा। मैं सिर्फ इस पर ध्यान केंद्रित करूंगा। टीम में सभी की विश्व कप टूर्नामेंट को लेकर अपनी राय है और मुझे यकीन है कि वे इस लेकर सही फैसला लेंगे। मेरे लिए जरूरी है कि मैं बहुत ज्यादा आगे का नहीं सोचूं।

नीदरलैंड ने नेपाल को टी20 विश्व कप में छह विकेट से हराया

डलास। टिम प्रिंगल और लोगन वैन बीक की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद मैक्स ओ'डाउड (नाबाद 54) की संयमित बल्लेबाजी से नीदरलैंड ने आईसीसी टी20 विश्व कप के ग्रुप डी के कम स्कोर वाले रोमांचक मैच में मंगलवार को यहां नेपाल को छह विकेट से हराया। नेपाल की पारी को 19.2 ओवर में 106 रन पर समेटने के बाद नीदरलैंड ने 18.4 ओवर में चार विकेट पर 109 रन बनाकर इस जीत से दो अंक हासिल किये। ओ'डाउड ने 48 गेंद की नाबाद पारी में

चार चौके और एक छक्का लगाने के साथ एक छोर संभाले रखा। नेपाल के लिए सोमपाल कामी, दीपेंद्र सिंह ऐरी और अविनाश बोहरा ने एक–एक विकेट लिये। मैन ऑफ द मैच प्रिंगल ने 20 रन देकर तीन जबकि वैन बीक ने 18 रन देकर तीन विकेट चटकाये। पॉल वैन मीकरेन और बास डलीडे को दो–दो सफलता मिली। नीदरलैंड के कप्तान स्कॉट एडवर्ड्स के टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने के फैसले को उनके गेंदबाजों ने सही साबित किया और लगातार अंतराल पर विकेट चटकाते रहे। नेपाल की ओर से कप्तान रोहित पौडेल ने सबसे ज्यादा 35 रन बनाये। उन्होंने 37 गेंद की पारी में पांच चौके लगाये। निचले क्रम में करण केसी (17) और गुलशन झा (14) ने दोहरे अंक में रन बनाकर टीम के स्कोर को 100 रन के पार पहुंचाया। लक्ष्य का पीछा करते हुए नीदरलैंड को दूसरे ओवर में माइकल लेविट (एक) के आउट होने से झटका लगा। वह सोमपाल का शिकार बने। ओ'डाउड और विक्रमजीत सिंह (22) ने इसके बाद संभल कर बल्लेबाजी करते हुए पावरप्ले में टीम के स्कोर को एक विकेट पर 36 रन तक पहुंचाया। दीपेंद्र ने नौवें ओवर में विक्रमजीत को पगबाधा कर दूसरे विकेट के लिए 40 रन की साझेदारी को तोड़ा। ओ'डाउड को इसके बाद साइब्रैंड एंगलब्रेक्त (14) का अच्छा साथ मिला जिन्होंने 12वें ओवर में गुलशन के खिलाफ चौका लगाकर रन गति को तेज करने की कोशिश की लेकिन 14वें ओवर में रन आउट हो गये। बोहरा ने कप्तान स्कॉट एडवर्ड को चलता कर नीदरलैंड पर एक बार फिर दबाव बना दिया। ओ'डाउड ने इस गेंदबाज के खिलाफ 19वें ओवर में लगातार गेंदों पर चौका और छक्का लगाकर 47 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया। डलीडे ने इसी ओवर में चौका लगाकर टीम को जीत दिला दी। इससे पहले प्रिंगल ने पारी के दूसरे ओवर में ही सलामी बल्लेबाज आसिफ शेख (चार) को चलता किया। वैन बीक ने चौथे ओवर में अपनी पहली गेंद पर कुशल भुर्तेल (सात) को पगबाधा कर नेपाल को दूसरा झटका दिया। कप्तान पौडेल और अनिल शाह ने तेज गेंदबाजों के लिए अनुकूल परिस्थितियों से जूझने की कोशिश की लेकिन प्रिंगल ने साह की 12 गेंद में 11 रन की पारी को वैन बीक के हाथों कैच कराकर खत्म किया। कुशल मल्ला (नौ) और दीपेंद्र (एक) के आउट होने से नेपाल ने 11वें ओवर में 53 रन पर पांच विकेट गंवा दिये। पौडेल ने इस बीच वैन बीक के खिलाफ दो शानदार चौके जड़े लेकिन मीकरेन ने सोमपाल को खाता खोलने का मौका नहीं दिया। गुलशन ने प्रिंगल के खिलाफ 16वें ओवर में नेपाल की पारी का पहला छक्का जड़ा लेकिन इसी ओवर में प्रिंगल ने पौडेल को आउट कर नेपाल को बड़ा स्कोर खड़ा करने से रोक दिया। करण ने वैन बीक और डलीडे के खिलाफ छक्के जड़ नेपाल के स्कोर को 100 के पार पहुंचाया लेकिन टीम ने अगले चार गेंद में बाकी के तीन विकेट गंवा दिये।

भारत–पाक मुकाबले पर अफरीदी ने कहा, यह खेल की सबसे बड़ी प्रतिद्वंद्विता

न्यूयॉर्क। पूर्व ऑलराउंडर शाहिद अफरीदी भारत–पाकिस्तान मुकाबले को अमेरिका में बेहद लोकप्रिय 'सुपर बाउल' के समकक्ष रखते हैं। उनका मानना है कि यह खेल की सबसे बड़ी प्रतिद्वंद्विता है और जो टीम नौ जून को न्यूयॉर्क में टी20 विश्व कप मुकाबले में दबाव से बेहतर तरीके से निपटेगी वह जीत दर्ज करेगी। दोनों टीमें टी20 विश्व कप में जब पिछली बार आमने–सामने थी तो विराट कोहली ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए भारत को जीत दिलाई थी। क्रिकेट का यह सबसे बड़ा मुकाबला पहली बार

अमेरिका की सरजमीं पर हो रहा है और पाकिस्तान के पूर्व कप्तान अफरीदी दर्शकों के बीच बैठकर इसके गवाह बनेंगे। टी20 विश्व कप के दूत अफरीदी ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से कहा, ''वे अमेरिकी जो टूर्नामेंट के बारे में जानना चाह रहे हैं, उन्हें पता होना चाहिए कि भारत के खिलाफ पाकिस्तान का मैच हमारे सुपर बाउल की तरह है।'' उन्होंने कहा, ''मुझे भारत के खिलाफ खेलना बहुत पसंद था और मेरा मानना घ्है कि यह खेल में सबसे बड़ी प्रतिद्वंद्विता है। जब मैं उन मुकाबलों में खेलता था, तो मुझे भारतीय प्रशंसकों से बहुत प्यार और सम्मान मिलता था और यह दोनों टीमों के लिए बहुत मायने रखता है।'' इस पूर्व ऑलराउंडर ने कहा, ''भारत के खिलाफ यह मौके के दबाव से निपटने के बारे में है। दोनों टीमों में बहुत प्रतिभा है, उन्हें बस उस दिन एकजुट होने की जरूरत है। इस मैच में और पूरे टूर्नामेंट में यही होगा। जो टीम अपना धैर्य बनाए रखेगी, वह जीतेगी।'' अमेरिका और वेस्टइंडीज टी20 विश्व कप के सह मेजबान हैं। सुपर आठ चरण और नॉकआउट मुकाबले वेस्टइंडीज में होंगे। अफरीदी ने कहा कि खेल के सबसे छोटे प्रारूप में प्रबल दावेदार का चयन करना मुश्किल है। इस पूर्व ऑलराउंडर ने कहा, ''टी20 क्रिकेट बहुत अप्रत्याशित है और टीमों की बल्लेबाज में अब बहुत गहराई है। आपका आठवें नंबर पर आने वाला बल्लेबाज 150 के स्ट्राइक रेट से रन बनाकर मैच जीत सकता है।

चुनाव के नतीजे के बाद बाजार थोड़ा संभला, सेंसेक्स 950 अंक चढ़ा

लोकसभा चुनाव के नतीजे सामने आ चुके है, जिसके बाद मंगलवार चार जून को शेयर बाजार को जबरदस्त ठोकर खानी पड़ी थी। शेयर बाजार में इस दौरान बड़ी गिरावट देखने को मिली थी। वहीं अब चुनाव नतीजे आने के अगले ही दिन भारतीय शेयर बाजार कुछ हद तक संभल रहा है। मंगलवार को बाजार खुलते ही सेंसेक्स 950 अंक ऊपर चढ़ गया है। सेंसेक्स ने इस दौरान 73 हजार का आंकड़ा भी पार कर लिया है। चुनाव के नतीजे आने के दौरान सेंसेक्स और निफ्टी ने पिछले सत्र में जबरदस्त गिरावट का सामना किया है। वहीं अब उम्मीद थी की बुधवार को बाजार सकारात्मक रुख अपनाएगा। बुधवार को बाजार ने अच्छी ओपनिंग की है। मंगलवार को हुई भारी गिरावट के बाद 30 शेयर वाले बीएसई सेंसेक्स ने कारोबार की शुरुआत हरे निशान पर की है। सेंसेक्स इस दौरान 948.83 अंक चढ़कर 73,027.88 अंक पर पहुंचा। इसके अलावा एनएसई निफ्टी 247.1 अंक ऊपर चढ़कर 22,131.60 अंक पर कारोबार कर रहा है। आम चुनाव के परिणाम में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को उम्मीद से कम बहुमत मिलने से मंगलवार को बाजारों में भारी गिरावट आई थी। सेंसेक्स में सूचीबद्ध 30 कंपनियों में से हिंदुस्तान यूनिलीवर, नेस्ले, एशियन पेंट्स, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, एचडीएफसी बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक और आईटीसी के शेयर में सबसे अधिक तेजी आई। लार्सन एंड टूब्रो, पावर ग्रिड, एनटीपीसी और भारतीय स्टेट बैंक के शेयरों को नुकसान हुआ। एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी तथा चीन का शंघाई कम्पोजिट फायदे में रहे जबकि हांगकांग का हैंगसेंग और जापान का निक्की नुकसान में रहे। अमेरिकी बाजार मंगलवार को सकारात्मक रुख के साथ बंद हुए। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा 0.04 प्रतिशत की गिरावट के साथ 77.49 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) पूंजी बाजार में मंगलवार को बिकवाल रहे और शुद्ध रूप से 12,436.22 करोड़ रुपये की कीमत के शेयर बेचे। भारत निर्वाचन आयोग ने देश के 543 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों के परिणाम घोषित कर दिए हैं। इसमें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को 240 और कांग्रेस को 99 सीट पर जीत मिली है। भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को लोकसभा में बहुमत मिल गया है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लगातार तीसरी बार सरकार बनाने के लिए तैयार हैं।

मारुति सुजुकी अक्षय ऊर्जा पहल में 450 करोड़ रुपये का करेगी निवेश

नयी दिल्ली। मारुति सुजुकी इंडिया ने बुधवार को कहा कि वह सौर ऊर्जा तथा बायोगैस से जुड़ी अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं को चालू करने के लिए तीन साल में 450 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। वित्त वर्ष 2023–24 में कंपनी ने इस क्षेत्र में 120.8 करोड़ रुपये का निवेश किया था। कंपनी ने बयान में कहा कि वह वित्त वर्ष 2024–25 से तीन वर्षों में इस निवेश को करीब चार गुना कर

450 करोड़ रुपये करेगी। मारुति सुजुकी के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) हिसाशी ताकेयूची ने कहा, ''हमारा लक्ष्य 2030–31 तक अपनी उत्पादन क्षमता को 20 लाख से बढ़ाकर 40 लाख तक ले जाने का है...इसलिए हम अपने परिचालन में टिकाऊ तथा नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों की हिस्सेदारी बढ़ाने के अपने प्रयासों में भी तेजी ला रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि जिस प्रकार कंपनी अपने उत्पादों में विभिन्न प्रौद्योगिकियां ला रही है, उसी प्रकार वह अपने परिचालन को अधिक हरित बनाने के लिए विभिन्न नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों पर भी ध्यान केंद्रित करेगी।

सम्पादकीय.....

मनोहारी मानसून

भले ही विज्ञान और इंजीनियरिंग की तरक्की से देश–दुनिया ने सिंचाई के तमाम संसाधन जुटा लिए हों, मगर मानसून का इंतजार किसान ही नहीं, हर भारतीय को बेसब्री से रहता है। कृषक के लिये मानसून जहां धान व अन्य फसलों के लिये प्राणधारा का काम करता है, वहीं आम आदमी को गर्मी की तपिश से मुक्त करता है। इस बार जैसे–जैसे पारा आसमान की तरफ चढ़ता रहा, लोगों को मानसून का इंतजार तीव्र होता गया। अब जबकि मानसून ने केरल व पूर्वोत्तर के कुछ राज्यों को भिगो दिया है तो शेष देश भी उत्साहित है कि देर–सवेर मानसून उनके दरवाजे तक भी दस्तक दे जाएगा। वैसे हाल में आये चक्रवाती तूफान की वजह से भी कुछ पश्चिम बंगाल व पूर्वोत्तर के राज्यों में बारिश हुई है और बाढ़ जैसा मंजर भी पैदा हुआ। बहरहाल तपते उत्तर भारत को तो अब मानसूनी फुहारों का बेसब्री से इंतजार है। मानसून के बादल धीर–धीरे मध्य भारत व उत्तर की ओर बढ़ते जाएंगे। यह सुखद है कि हाल के वर्षों में मौसम विभाग की भविष्यवाणियां कमोबेश सच साबित होने लगी हैं। कहा गया था कि इस साल मानसून निर्धारित समय से पहले आ जाएगा, वैसा हुआ भी है। मानसून ने समय से पहले केरल में दस्तक देकर जन–जन को प्रफुल्लित कर दिया है। उम्मीद है कि जून के अंत तक मानसून उत्तर भारत को भिगोने लगेगा। ऐस वक्त में जब पारा नित नये रिकॉर्ड बनाता रहा है और लू से मरने वालों की संख्या बढ़ती रही है, मानसून की सूचना निश्चित रूप से राहतकारी कही जाएगी। यह निर्विवाद सत्य है कि मानसून के पास हमारी तमाम समस्याओं के समाधान हैं। खासकर धान का कटोरा कहे जाने वाले राज्यों के लिये तो यह जीवनदायिनी है। मानसूनी बारिश से जहां खेतों को पर्याप्त पानी से संतुष्टि मिलती है, वहीं बिजली व अन्य ऊर्जाओं की बचत भी होती है। गर्मी बढ़ते ही हमारे बिजली उत्पन्न करने वाली विभिन्न इकाइयों पर दबाव बढ़ जाता है। मानसून के आने से वह दबाव भी धीरे–धीरे कम होने लगता है।इसमें दो राय नहीं है कि सदियों से मानसून देश में मौसम की विशिष्ट संस्कृति का पोषण करता है। आज भी मानसून हमारी कृषि व्यवस्था की रीढ़ है। मौसम की तल्खी को खत्म करके यह जन–जन को राहत देता है। विश्वास है कि हमारी संस्कृति व अर्थव्यवस्था में मानसून की निर्णायक भूमिका निरंतर जारी रहेगी। अनेक विदेशी लेखकों ने मानसून के प्रभावों का अध्ययन करते हुए रोचक साहित्य का सृजन भी किया है। मानसून का हमारे खान–पान व पहनावे तक पर गहरा प्रभाव पड़ता है। भले ही मानसून भारतीय समाज में सुखद बदलाव का पर्याय रहा हो, लेकिन हाल के वर्षों में मौसम के मिजाज में बदलाव से बारिश के पैटर्न में भी भिन्नता आई है। जिसके मूल में ग्लोबल वार्मिंग के प्रभाव भी शामिल हैं। विडंबना यह है कि हमारे नीति–नियंता और स्थानीय प्रशासनिक इकाइयां वर्षा जल को सहेजने में नाकाम रही हैं। मानसून के पानी का एक बड़ा हिस्सा यूं ही नदी–नालों के जरिये समुद्र में चला जाता है। यदि इस पानी को सहेजकर हम भू–जल का स्तर बढ़ाने का प्रयास युद्ध स्तर पर करें तो शेष महीनों में जल संकट से हम निजात पा सकते हैं। बढ़ती आबादी और जल निकासी के रास्तों पर निरंतर होते अतिक्रमण ने देश के तमाम शहरों में जलभराव का संकट पैदा किया है। पानी की निकासी के प्राकृतिक मार्गों पर अवैध निर्माणों ने इस संकट को बढ़ाया है। स्थानीय निकायों के अधिकारी नालों व सीवर लाइनों की सफाई समय रहते नहीं करते। जिसकी वजह से शहर व कस्बे जलभराव के संकट से जूझने लगते हैं। नागरिक हित में इस दिशा में गंभीर प्रयासों की जरूरत है। निस्संदेह मानसून न केवल हमारी कृषि की प्राणवायु है बल्कि हमारी अर्थव्यवस्था की रीढ़ भी है। सामान्य मानसून से जहां किसान व गांव समृद्ध होते हैं, वहीं देश को भी पर्याप्त खाद्यान्न मिल पाता है। हमें मानसून के जल को सहेजने के लिये जन–जन की भागीदारी से देशव्यापी मुहिम चलाने की जरूरत है। पिछले दिनों आग से सुलगते जंगलों को भी मानसूनी फुहारों का इंतजार है।

आगे और कठिन लड़ाई है!

राजेंद्र शर्मा

चुनाव प्रचार के आखिर तक आते–आते तो यह सिलसिला विपक्षी सरकार आ गयी तो पानी के नल की टोंटी ले जाएंगे, घर की चाभी छीन लेंगे, बिजली वापस कटवा देंगे, आदि तक पहुंच गयी।

हैरानी की बात नहीं है कि एक्जिट पोल के बाद, शेयर बाजार ने भी नरेंद्र मोदी के तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के पक्ष में, दोनों हाथों से मतदान किया है। आखिरी चरण के मतदान की शाम ही, एक्जिट पोलों ने करीब एक राय से मोदी का पुनः राज्याभिषेक कर दिया था। और उसके तीन दिन बाद, छुट्टी के बाद शेयर बाजार एक जबर्दस्त धमाके के साथ खुला। लेकिन, एक्जिट पोलों में मोदी को लगभग चार सौ पार करा दिए जाने पर शेयर बाजार खुशी से उछल नहीं पड़ा होता, तो ही हैरानी की बात होती। आखिरकार, मोदी राज ने अपने दस साल में शेयर बाजार को खुश करने में अपनी ओर से तो कोई कसर छोड़ी नहीं है। उसने एक ओर तो शेयर बाजार के असली खिलाड़ियों यानी कारपोरेटों के हाथ मजबूत करने के लिए, नोटबंदी तथा जीएसटी के हमलों के जरिए, छोटे या अनौपचारिक क्षेत्र को कमजोर करने तथा उसकी कीमत पर औपचारिक क्षेत्र को मजबूत करने का काम किया है। और दूसरी ओर कॉरपोरेट करों में कमी कर के सीधे–सीधे कारपोरेटों की तिजोरियांभरने का काम किया है। और यह सब मोदी राज में दरबारी पूंजीवाद को फलने–फूलने के लिए आम तौर पर खुला तथा सुरक्षित मैदान मुहैया कराए जाने के ऊपर से है। वास्तव में पिछले दस साल में मोदी राज और कारपोरेट पूंजी का जैसा अटूट और आक्रामक गठजोड़ देखने को मिला है, उसका और भी सघन प्रदर्शन इस बार के लोकसभा चुनाव के लंबे प्रचार अभियान के दौरान हो रहा था। यह कोई संयोग ही नहीं था कि विपक्षी गठबंधन द्वारा अपने प्रचार के दौरान, जिसमें कांग्रेस तथा कमयुनिस्ट पार्टियों समेत विपक्षी गठबंधन के चुनाव घोषणापत्र भी शामिल थे, मोदी राज में असमानता में पहले कभी के मुकाबले ज्यादा तेजी से बढ़ोतरी होने के सवाल उठाए गए थे। और विपक्ष द्वारा दस वर्षों में कारपोरेटों के 16 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा के ऋण माफ किए जाने, जबकि आम किसानों के ऋण माफ करने से इंकार ही कर दिए जाने के भी सवाल उठाए गए थे, जिन सब का जवाब, मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने, ध्यान बंटाने की तिकड़मों का सहारा लेते हुए भी, बड़े हमलावर अंदाज में देने की कोशिश की थी। असमानता में बढ़ोतरी के सवाल का सीधे जवाब देने या खंडन ही करने के बजाय, मोदी की भाजपा ने इस तरह के सारे सवालों को ही संपत्ति पर हमला बना देने की कोशिश की। इसके लिए, कांग्रेस के घोषणापत्र में जातिगत जनगणना के पूरक के रूप में आर्थिक स्थिति का सर्वे कराने की जो बात कही गयी थी, उसे पूरी तरह से सिर के बल खड़ा करते हुए, आम लोगों की संपत्ति पर हमले में ही तब्दील कर दिया गया। और वैचारिक सुविधा के लिए इसे वामपंथ के साथ जोड़ते हुए, कांग्रेस के घोषणापत्र को एक ओर मुस्लिम लीग और दूसरी ओर अर्बन नक्सल के विचारों से संचालित करार दे दिया गया। साधारण लोगों की संपत्ति पर विपक्ष के हमले का सरासर ऊटपटांग हौवा खड़ा करते हुए और इस थीम को लगातार आगे बढ़ाते हुए, खुद प्रधानमंत्री मोदी ने गरीबों की आर्थिक स्थिति के सर्वे को, जाहिर है कि सोची–समझी तोड़–मरोड़ में मंगलसूत्र पर हमले, घर के सोने तथा जमा–जथा की जांच व जब्ती, दो घर हों तो एक घर की और घर में चार कमरे हों तो दो कमरों की जब्ती, तक पहुंचा दिया। चुनाव प्रचार के आखिर तक आते–आते तो यह सिलसिला विपक्षी सरकार आ गयी तो पानी के नल की टोंटी ले जाएंगे, घर की चाभी छीन लेंगे, बिजली वापस कटवा देंगे, आदि तक पहुंच गयी। इस सब का मकसद, अपने कारपोरेट तथा धन्नासेठ चाहने वालों को इसकी याद दिलाना भी था कि उनकी सबसे बड़ी हितैषी, मोदी की भाजपा ही है। लेकिन, कारपोरेटों के स्वार्थों की रक्षा का भरोसा, सिर्फ कारपोरेटों के स्वार्थों की रक्षा करने के भरोसे से नहीं दिलाया जा सकता था। उसके लिए तो, मोदी राज जिस कारपोरेट–सांप्रदायिक गठजोड़ का प्रतिनिधित्व करता है, उसके दूसरे जोड़ीदार का भी खेल के मैदान में उतरना जरूरी था। आखिरकार, आम जनता को तो उसी के जरिए भ्रमित किया जाना था। इसलिए, एक्स रे करा के छीन लेंगे, झपट लेंगे के साथ, मुसलमानों को बांट देंगे का झूठ जोड़ दिया गया। इस तरह, इस चुनाव का मोदी की भाजपा के प्रचार का असली हथियार तैयार हो गया, जिसे कम से कम पहले चक्र के मतदान के बाद से लगाकर, आखिरी चरण तक और वास्तव में इस प्रचार अभियान के प्रधानमंत्री के पंजाब के आखिरी भाषण तक, लगातार इस्तेमाल किया जाता रहा था। बेशक, इस लंबे चुनाव अभियान के दौरान इस हथियार में जरूरत के मुताबिक थोड़ी–बहुत तब्दीलियां भी की गयीं। मिसाल के तौर पर एक तब्दीली तो यही की गयी कि इसकी शुरूआत में नाम लेकर मुसलमानों को बांट देंगे का आरोप लगाने के बाद, प्रधानमंत्री मोदी ने संभवतरू चुनाव आयोग को अति से अधिक शर्मिंदा नहीं करने के विचार से, अपने मुंह से मुसलमान शब्द तो बोलना बंद कर दिया, लेकिन जेहादी, वोट जेहादी, जेहादी वोट बैंक, तुष्टीकरण वाला वोट बैंक आदि, तरह–तरह के शब्दों का प्रयोग कर, अपने श्रोताओं के लिए इसमें किसी संदेह की गुंजाइश भी नहीं छोड़ी की उनका आशय, हिंदुओं से छीनकर मुसलमानों को दिए जाने से है। हां! आदिवासी बहुल इलाकों में इस हमले का विस्तार कर, ईसाइयों को भी इस दायरे में समेट लिया गया। इन तकनीकी तब्दीलियों से भिन्न, जो खासतौर पर जनप्रतिनिधित्व कानून के उल्लंघन से तकनीकी तरीके से बचने की कोशिश में की गयी थीं, एक बड़ी तब्दीली यह की गयी कि चूंकि आम तौर पर संपत्ति छीनकर मुसलमानों में बांट दिए जाने का प्रचार, गरीबों के विशाल हिस्से के बीच, जिनके पास खोने के लिए संपत्ति के नाम पर कुछ खास था ही नहीं, खास उत्तेजना पैदा नहीं कर पा रहा था, इसे जल्द ही आरक्षण का अधिकार छीनकर बांट देंगे कर दिया गया।

प्रकृति और पर्यावरण का सबसे बडा शत्रु स्वयं मानव

संजीव ठाकुर

अपने विकास की क्रमिक उन्नति में मनुष्य ने जितने भी अविष्कार और विकास के कार्य किए हैं सब के सब प्रकृति एवं पर्यावरण के विरोध में ही रहे हैं। प्लास्टिक तथा पॉलीथिन का अविष्कार मानव तथा जीव जंतुओं के लिए बेहद खतरनाक साबित हुआ है। पॉलीथिन ने मानव तथा जीव जंतुओं को सबसे ज्यादा क्षति पहुंचाई है क्योंकि पॉलिथीन एक ऐसा पदार्थ है जो अत्यंत ज्वलनशील होने के साथ–साथ नष्ट ना होने वाला पदार्थ है जो मनुष्य के भोजन पकाने हेतु जंगल से लकड़ी काटकर धूंआ पैदा करने का काम भी मनुष्य ने ही किया है। इसी क्रम में सबसे बड़ा नुकसान पर्यावरण को औद्योगिकरण की नीति ने किया है,बड़े बड़े उद्योगों से निकलने वाले वैश्विक स्तर पर प्रदूषित वायु अपशिष्ट पदार्थों के साथ नदियों तथा समुंदर में विषैले अपशिष्ट को छोड़ने से शुद्ध जल विषैला होकर जीव जंतुओं को नष्ट करते आ रहा है। इसके पश्चात प्राकृतिक रूप से भी बाढ़, ज्वालामुखी ने प्रकृति तथा पर्यावरण को नष्ट करने का काम बखूबी किया है, पर मानव जाति ने अपने आराम तथा सुविधा के लिए स्कूटर, मोटरसाइकिल, कार और परिवहन के लिए ट्रक और डीजल एवं कोयले से चलने वाली लोकोमोटिव ने प्रकृति तथा पर्यावरण को को नष्ट करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। इसके अलावा घरों कार्यालयों और कारखानों में लगाए जाने वाले वातानुकूलित यंत्रों से निकलने वाले वायु प्रदूषण के कारण ग्लोबल वार्मिंग बहुत तेजी से बढ़ते जा रही है जो मानव जाति के लिए खुद नुकसानदेह है, किंतु मानव ही पर्यावरण का सबसे बड़ा दुश्मन बन चुका है।शुद्ध वायु, जल मनुष्य तथा पृथ्वी पर निवास कर रहे जीव जंतुओं तथा हमारी वनों से आच्छादित प्यारी धरती के लिए अत्यंत आवश्यक है। पर्यावरण की असुरक्षा से धरती असुरक्षित नदियां ,असुरक्षित और धरती, जलवायु की असुरक्षा होने से जीव जंतु और मानव जाति का जीवन भी असुरक्षित हो जाएगा, ।हमें इन परिस्थितियों में पर्यावरण की सुरक्षा को प्राथमिक सुरक्षा मानकर इसकी हर संभव शुद्धता एवं परिष्करण पर सबसे ज्यादा ध्यान देना होगा। पर्यावरण से आशय श्परश यानी मतलब चारों तरफ, और वरण का मतलब ढका हुआ माना गया है। पर्यावरण विदों के अनुसार पर्यावरण का मतलब उस अवस्था से है जो किसी जंतु, प्रकृति और मनुष्य को चारों ओर से ढक कर उसे अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करती है। हम सदैव पर्यावरण को प्रकृति से जोड़कर ही देखते हैं। इसीलिए मानव जीव जंतु वृक्ष सभी को स्वस्थ जीवन देने के लिए एक परिष्कृत पर्यावरण के वातावरण की निरंतर महत्वपूर्ण उपस्थिति आवश्यक होती है,किंतु जब वायु ,जल तथा प्रकृति में प्राकृतिक अथवा मानवीय अवांछनीय कार्यों से कुछ ऐसे तत्व वातावरण में प्रवेश कर जाते हैं जिससे हमारी प्रकृति, हमारा पर्यावरण प्रदूषित होने लगता है और माननीय जीवन प्रकृति के साथ नष्ट होने की कगार पर खड़ा होने लगा है। प्रगति और वातावरण यानी की पर्यावरण ने हमें सब कुछ दिया है, स्वच्छ हवा से हमें ऊर्जा,स्वच्छ जल और नवजीवन की उत्प्रेरणा प्राप्त होती है। भोपाल में मिक नामक गैस रिसाव से पर्यावरण का संतुलन बिगड़ जाने से हजारों लोगों की मृत्यु एवं उसके पश्चात शरीर में अनेक बीमारियों को जन्म दिया, जिस की विभीषिका आज भी भोपाल वासी झेल रहे हैं। इसके पश्चात मई 2020 को आंध्र प्रदेश के पॉलीमर कंपनी द्वारा स्टाइलिन नामक गैस का रिसाव हुआ एवं जून में असम गैस रिसाव से मानव जीवन को प्रभावित कर पूरे पर्यावरण को प्रदूषित कर मानव जाति तथा जीव जंतुओं के संपूर्ण जीवन को दांव पर लगा दिया था। पर्यावरण सुरक्षित रहेगा तो मानव जीवन भी सुरक्षित रह पाएगा। प्रदूषण को हमें सदैव वायु प्रदूषण यानी ज्वालामुखी विस्फोट, जंगल की आग, कोहरा, परागकण, उल्कापात आदि प्राकृतिक स्रोतों से उत्पन्न वायु प्रदूषण से नियंत्रण में रखकर उसका संरक्षण करने का प्रयास करना चाहिए। मानवीय अवांछित क्रियाकलाप भी प्रकृति तथा वातावरण और पर्यावरण के लिए खतरा बनते जा रहे हैं, जिस तरह वनों की अंधाधुंध कटाई हो रही है मोटर वाहनों का बेतरतीब प्रयोग लकड़ी कोयला तथा अन्य पदार्थों के जलाने से उत्पन्न हुआ बेतहाशा कारखानों का निकलता धूंआ, ताप विद्युत गृह, खनन तथा रासायनिक पदार्थों के साथ आतिशबाजी द्वारा वायु प्रदूषण में बेतहाशा वृद्धि हो गई है। जिससे पर्यावरण अत्यंत असुरक्षित हो गया, इसके अलावा पर्यावरण की सुरक्षा तथा प्रकृति के साथ खिलवाड़ के कारण प्रकृति का तापमान भी अत्यधिक बढ़ गया है, फल स्वरूप जलवायु परिवर्तन की विभीषिका को हम बुरी तरह से झेल रहे हैं। हमें पेट्रोल की जगह गैस फ्यूल का उपयोग कर वातावरण को बचाने का प्रयास किया जाना चाहिए। वातावरण में उपस्थित अवांछित गैसीय पदार्थों के कारण अंधापन ,त्वचा रोग तथा फेफड़ों की बीमारी से होने वाले दमा रोग में बढ़ोतरी हुई है। विगत वर्षों में कोविड–19 के संक्रमण में पर्यावरण प्रदूषण के कारण लोगों को फेफड़ों में स्वच्छ ऑक्सीजन नहीं मिलने से लाखों लोग मृत्यु को प्राप्त हुए, यह एक पर्यावरण असंतुलन का सबसे बड़ा उदाहरण है । रूस यूक्रेन युद्ध में यूक्रेन में भारी बमबारी तथा गोलीबारी से वातावरण को तहस–नहस कर दिया, वहां कई किलोमीटर क्षेत्र में शहरों में वायु प्रदूषण के कारण हजारों लोग मृत्यु की कगार पर पहुंच गए हैं एवं लाखों लोगों ने वहां से पलायन भी किया, यह सब पर्यावरण प्रदूषण के एकदम ताजा उदाहरण है जो मानवीय जीवन के लिए सबसे ज्यादा खतरनाक साबित हो रहे हैं। इसके अलावा प्राकृतिक आपदा भूकंप बाढ़ तथा औद्योगिक कचरे तथा विषाक्त कार्बनिक पदार्थों सहित अन्य उत्पादकों का जल स्रोतों में डाला जाना भी पर्यावरण प्रदूषण के लिए भारी खतरा बन गया है, इसी तरह बंदरगहों में रिफाइनरी से पेट्रोलियम पदार्थ, तेल युक्त तरल पदार्थ को समुद्रों में बाहर जाना भी समुद्र में रह रहे जीव जंतुओं के लिए ज्यादा खतरनाक साबित हुए हैं। जल प्रदूषण से जल से फैलने वाली बीमारियां जैसे मलेरिया, हैजा, टाइफाइड, डेंगू पीलिया, पेचिश तथा उदर रोगों के लिए अत्यंत हानिकारक माना गया है। अन्य प्रदूषण में मृदा प्रदूषण ध्वनि प्रदूषण आदि वातावरण को प्रदूषित करते पृथ्वी तथा मानव जाति के लिए काल बन चुके हैं। तमाम सरकारी प्रयासों के बावजूद पर्यावरण प्रदूषण को कम नहीं किया जा सका है। अंतर्राष्ट्रीय सर्वे के अनुसार भारत की दिल्ली सर्वाधिक प्रदूषित शहरों में गिनी जाने लगी है। और कोविड–19 के संक्रमण के दौरान यहां पर सबसे ज्यादा मौतें पर्यावरण प्रदूषण के कारण भी हुई है। प्रदूषित वातावरण के कारण बच्चों तथा बुजुर्गों की जिंदगी को सबसे ज्यादा वैज्ञानिकों ने खतरा माना है और ईससे निजात पाने के लिए शुद्ध वातावरण की आवश्यकता पर जोर दिया है। पर्यावरण को सुरक्षित ना रख पाने की दो प्रमुख वजह प्राकृतिक तथा मानव निर्मित प्रदूषण ही हैं। यह तो तय है कि प्रकृति पर मानव का कोई नियंत्रण नहीं है अतः प्राकृतिक प्रदूषण को रोक पाना मानव जाति के लिए थोड़ा कठिन एवं कष्ट साध्य कार्य सोने के अलावा थोड़ा असंभव भी प्रतीत होता है, किंतु मानव जाति द्वारा फैलाए गए प्रदूषण को रोकने के प्रयास में हमें हर संभव मदद करने की आवश्यकता होगी। और यह तो सर्वविदित तथ्य है कि यदि हमें पर्यावरण प्रदूषण को पृथ्वी तथा प्रकृति से हटाना एवं मानव जीवन को सुरक्षित रखना है तो शासकीय प्रयासों के अलावा हर व्यक्ति को वैश्विक स्तर पर पर्यावरण को सुरक्षित रखने पर जोर देना होगा अन्यथा ओजोन परत के क्षरण के कारण मानव तथा जीव जंतु तथा प्रकृति के प्रति संकट गहराता जाएगा एवं हम पर्यावरण प्रदूषण के सामने हाथ पर हाथ धरे रह जाएंगे।

नयी सरकार को अधिक निवेश और रोजगार सृजन पर ध्यान केंद्रित करना होगा

अंजन रॉय

सत्तारूढ़ पार्टी भाजपा के लिए जीडीपी के नये आंकड़े का इससे बेहतर समय और क्या हो सकता है। संसदीय मतदान के अंतिम चरण के समाप्त होने के साथ ही, 2023–24 के लिए जीडीपी के 8.2प्रतिशत के आंकड़े आये जो भारतीय अर्थव्यवस्था की भारी वृद्धि दर को दर्शाते हैं। यदि भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए चुनावों में जीतती है, जो सबसे संभावित घटना है, तो वित्तीय बाजार में उछाल की भविष्यवाणी की जा सकती है। लेकिन ऐसी गुलाबी तस्वीर के पीछे क्या रहस्य है, विशेषकर तब जब बाकी दुनिया बहुत अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रही है। चीन एक तरफ गिर रहा है और गंभीर वित्तीय संकट की संभावनाओं से घिरा हुआ है। अमेरिका निश्चित रूप से पूरी तरह स्वस्थ है और ब्याज दरों में वृद्धि के दौर के बावजूद मंदी की सभी भविष्यवाणियों को झुठला रहा है। हालांकि, अमेरिका में नीतिगत ब्याज दरें बहुत अधिक बनी हुई हैं। भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए विकास के ट्रिगर्स के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए, समग्र निवेश में परिवर्तन की गतिशीलता, अंतिम उपभोग मांग का रुझान, निर्यात प्रदर्शन और विदेशों से धन के प्रवाह को देखना महत्वपूर्ण है। भारतीय अर्थव्यवस्था में निजी अंतिम खपत एक प्रमुख कारक है, जो सकल घरेलू उत्पाद के व्यय पक्ष का लगभग 60प्रतिशत है। यह मूल रूप से अर्थव्यवस्था की गति निर्धारित करती है। वास्तव में, कुछ साल पहले कुछ प्रमुख अर्थशास्त्रियों ने बताया था कि भारत की वृद्धि निजी उपभोग के रुझानों पर बहुत अधिक निर्भर थी और यह एक अस्थिर मॉडल था, जिसे श्एकल इंजन की सवारीश के रूप में वर्णित किया गया था। अर्थव्यवस्था के निरंतर मजबूत प्रदर्शन के लिए संरचना और ट्रिगर्स में सूक्ष्म परिवर्तन हैं। ये रुझान कुछ सुखद गतिशीलता दिखाते हैं जो अर्थव्यवस्था को संभावित दलदल से बाहर निकालते हैं। विकास की वर्तमान लहर निवेश द्वारा संचालित है, विशेष रूप से सार्वजनिक निवेश द्वारा। सार्वजनिक निवेश, जो मुख्य रूप से बुनियादी ढांचे के निर्माण और सामाजिक पूंजी में सरकार के नेतृत्व में निवेश है, अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ा रहा है। सार्वजनिक निवेश सकल घरेलू उत्पाद के 29त्न के करीब पहुंच गया है जो एक स्वस्थ प्रवृत्ति है। यह कई कारकों से संभव हो सका है, जिसमें राजस्व संग्रह में मजबूत वृद्धि और वास्तव में अंतिम राजस्व संग्रह बजट अनुमानों से अधिक है। जीएसटी की आमद लगातार महीने दर महीने 1 लाख करोड़ रुपये को पार कर गयी है। इसने सार्वजनिक वित्त को एक आरामदायक क्षेत्र में सक्षम बनाया है। व्यय में वृद्धि के बावजूद राजकोषीय घाटा 5.6त्न पर बना रहा। सरकारी वित्त को एक सहयोगी रिजर्व बैंक द्वारा और मदद मिली है। केंद्रीय बैंक ने केंद्र सरकार को अभूतपूर्व उच्च लाभांश हस्तांतरित किया है। केंद्रीय बैंक ने केंद्र सरकार को 2.11 लाख करोड़ रुपये हस्तांतरित किए हैं। इसके अतिरिक्त, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों द्वारा अर्जित बड़े अधिशेष ने भी केंद्र सरकार की व्यय योजनाओं को आगे बढ़ाया हो सकता है, फिर भी विवेकपूर्णराजकोषीयघाटा मापदंडों के भीतर रह सकता है। अगले ट्रिगर की बात करें तो, नवीनतम आंकड़े संकेत देते हैं कि घरेलू खपत मजबूत बनी हुई है। कुछ उच्च आवृत्ति वाले आंकड़े ऑटो बिक्री, आवास ऋण, ईंधन खपत जैसे कुछ क्षेत्रों में वृद्धि की तीव्र गति का संकेत देते हैं। ये मुख्य रूप से शहरी क्षेत्र में हैं। ग्रामीण क्षेत्र में इस वर्ष सामान्य मानसून के पूर्वानुमान के बावजूद मांग कुछ हद तक कम बनी हुई है। तीसरा, निर्यात में वृद्धि हो रही है, हालांकि यह धीमी गति से हो रही है। पिछली तिमाही में नकारात्मक से व्यापारिक निर्यात सकारात्मक क्षेत्र में आ गया है। आयात भी बढ़ रहा है, जो मजबूत घरेलू मांग का संकेत देता है। सेवा निर्यात निश्चित रूप से उछाल पर है, हालांकि नयेएआई उत्पादों के उभरने के साथ कुछ अनिश्चितताएं उभरी हैं। नीति निर्माताओं, अर्थात् आरबीआई और नॉर्थब्लॉक के लिए, सौम्य मुद्रास्फीति की स्थिति के कारण स्थिति और भी आरामदायक है। अप्रैल 2024 में सीपीआईमुद्रास्फीति4.8त्न थी, जो मार्च 2024 में 4.9त्न से कम थी। जनवरी 2024 से इसमें गिरावट का रुख है। नीचे की ओर दबाव मुख्य रूप से पेट्रोलियम से संबंधित कमोडिटी समूहों जैसे ईंधन, बिजली और परिवहन और संचार सेवाओं से उत्पन्न होता है। अनुकूल समग्र पृष्ठभूमि को देखते हुए, अगली सरकार को बुनियादी ढांचे के निर्माण कार्यक्रमों को जारी रखने के लिए अपने उत्साही संसाधनों का उपयोग करके अर्थव्यवस्था की गति को बनाये रखने पर जोर दिया जाना चाहिए। यदि ये ट्रिगर बनाये रखे जाते हैं, तो यह समय के साथ बड़े निजी क्षेत्र के निवेशों में फैल जायेगा। निजी निवेश तब आते हैं जब उनकी क्षमता का उपयोग बढ़ रहा है और बढ़ती प्रवृत्ति दिखा रहा है। व्यापार विश्वास सर्वेक्षणों और अन्य संकेतकों से संकेत मिलते हैं कि बड़े निजी निवेश के लिए भावनाएं सकारात्मक हो रही हैं। निजी क्षेत्र के निवेश में कुछ महत्वपूर्ण वृद्धि की उम्मीद की जा सकती है। वास्तव में, भारतीय निजी निवेश के साथ–साथ कुछ बड़ी निजी क्षेत्र की कंपनियां भारत में प्रवेश करने के लिए तैयार हैं। केंद्र सरकार की प्रोत्साहन योजनाओं का लाभ उठाते हुए, अधिक निवेशक भारत के बारे में उत्साहित महसूस कर रहे हैं। जिन क्षेत्रों में महत्वपूर्ण नयी शुरुआत की उम्मीद है वे हैं कंप्यूटर चिप और सेमीकंडक्टर उद्योग।अब तक सब ठीक चल रहा है, लेकिन तकनीकी प्रकृति की टिप्पणियों पर ध्यान देना महत्वपूर्ण है। कुछ अर्थशास्त्रियों ने बताया है कि जीडीपी डिफ्लेटर, यानी वह तरीका जिससे सांख्यिकीविद् वास्तविक जीडीपी रुझानों पर एक नजर डालने के लिए जीडीपी आंकड़ों पर बढ़ती मुद्रास्फीति के प्रभावों को खत्म करने की कोशिश करते हैं, उदार रहा है। इन अर्थशास्त्रियों को लगता है कि अंतिम आंकड़ों की गणना के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला जीडीपी डिफ्लेटरसीपीआई संख्याओं की तुलना में डब्ल्यूपीआई मुद्रास्फीति के आंकड़ों को अधिक महत्व देने के लिए बहुत कम था। डब्ल्यूपीआई रुझान बहुत कम और कभी–कभी नकारात्मक रहे हैं, जबकि सीपीआई 5.4 प्रतिशत के आसपास मंडरा रहा है। वे सीपीआई के नेतृत्व वाले के खिलाफ डब्ल्यूपीआई भारी प्रतिनिधि के उपयोग पर सवाल उठाते हैं। पूर्व में सीपीआई भारी डिफ्लेटर का उपयोग करने की तुलना में विकास की दर कहीं अधिक है। फिर भी, कुछ तकनीकी मुद्दों को छोड़कर, इसमें कोई संदेह नहीं है कि भारतीय अर्थव्यवस्था अपने कदमों में उछाल दिखा रही है। अर्थव्यवस्था ने उल्लेखनीय लचीलापन दिखाया है और प्रतिकूल वैश्विक वातावरण में कोविड के बाद के चरण में तेजी से सुधार किया है। इन रुझानों को देखते हुए, यह अनुमान लगाया जा सकता है कि अर्थव्यवस्था की गति मजबूत बनी रहेगी और वित्तीय बाजार भी इसी तरह की बढ़त दिखा सकते हैं।

शुभमन गिल के साथ शादी की अफवाहों पर अभिनेत्री रिद्धिमा पंडित ने तोड़ी चुप्पी, कहा- उन्हें जानती तक नहीं

> पंडित ने इन खबरों को 'बेवकूफी भरा' बताया और कहा कि वह गिल को व्यक्तिगत रूप से जानती तक नहीं हैं। ईटाइम्स से बात करते हुए पंडित ने कहा, मुझे लगता है कि यह कुछ लोगों की कल्पना है! कोई व्यक्ति कोई कहानी बनाता है और फिर वह सोशल मीडिया पर वायरल हो जाती है। मैं शुभमन गिल को व्यक्तिगत रूप से जानती तक नहीं हूं। यह हास्यास्पद है।

टेलीविजन स्टार रिद्धिमा पंडित ने हाल ही में क्रिकेटर शुभमन गिल के साथ चल रही शादी की अफवाहों पर खुलकर बात की। पंडित ने इन खबरों को 'बेवकूफी भरा' बताया और कहा कि वह गिल को व्यक्तिगत रूप से जानती तक नहीं हैं। ईटाइम्स से बात करते हुए पंडित ने कहा, मुझे लगता है कि यह कुछ लोगों की कल्पना है! कोई व्यक्ति कोई कहानी बनाता है और फिर वह सोशल मीडिया पर वायरल हो जाती है। मैं शुभमन गिल को व्यक्तिगत रूप से जानती तक नहीं हूं। यह हास्यास्पद है। मुझे सुबह से बधाई संदेश मिल रहे हैं और मैं इस अफवाह को नकारते–नकारते थक गई हूं। आखिरकार मैंने इसे अपने सोशल मीडिया हैंडल पर पोस्ट करने का फैसला किया।'' अब डिलीट हो चुके वीडियो में रिद्धिमा कहती हुई सुनाई दे रही हैं, ष्मैं पत्रकारों के बहुत सारे कॉल्स के साथ उठी और ऐसा कभी नहीं हुआ। उनमें से बहुत से लोग मेरी आने वाली शादी के बारे में जानना चाहते हैं, लेकिन किससे? नहीं, ऐसा नहीं हो रहा है। अपना प्यारा दिन बिताओ। कुछ होगा तो मैं बता दूँगी सामने से (अगर ऐसा कभी हुआ तो मैं खुद इसकी घोषणा करूँगी)। अभी कुछ नहीं हो रहा है। अलविदा। पंडित को टीवी सीरीज़ बहू हमारी रजनी कांत में मुख्य भूमिका निभाने के लिए जाना जाता है। वह खतरों के खिलाड़ी और बिग बॉस ओटीटी जैसे रियलिटी शो में भी नज़र आ चुकी हैं।

न्यूयॉर्क इंडियन फिल्म फेस्टिवल में मिसेज के लिए सान्या मल्होत्रा को मिला बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड

न्यूयॉर्क इंडियन फिल्म फेस्टिवल 2024 (एनवाईआईएफएफ) में सान्या मल्होत्रा स्टारर फिल्म शमिसेजश का प्रीमियर हुआ। इसमें उन्हें फिल्म के लिए बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड मिला। आरती कदव द्वारा निर्देशित मिसेज मलयालम फिल्म द ग्रेट इंडियन किचन की हिंदी रीमेक है, जो बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुई थी। इसमें निमिशा सजयन ने अहम किरदार निभाया था। मिसेज में सान्या मल्होत्रा ने ऋचा नाम की महिला का किरदार निभाया है, जो रसोई और घर की जिम्मेदारियों के बीच खुद को तलाशती हैं। फिल्म में निशांत दहिया और कंवलजीत सिंह सहित कई शानदार कलाकार हैं। जियो स्टूडियोज ने सोशल मीडिया के ऑफिशियल हैंडल पर इस खबर की पुष्टि की और कहा, न्यूयॉर्क इंडियन फिल्म फेस्टिवल में मोस्ट टैलेंटेड एक्ट्रेस सान्या मल्होत्रा को फिल्म मिसेज के लिए बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड मिलने पर बधाई। इससे पहले फेस्टिवल में फिल्म की स्क्रीनिंग को लेकर खुशी जाहिर करते हुए सान्या ने कहा था, मेरे लिए यह गर्व की बात है कि मिसेज को एनवाईआईएफएफ की क्लोजिंग फिल्म के तौर पर चुना गया। घरेलू जिम्मेदारियों के बीच अपनी पहचान को तलाशती ऋचा का किरदार निभाना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात है। यह हर भारतीय महिला के संघर्ष को दिखाता है। इस कहानी में जान फूंकने की हमारी कोशिश कामयाब रही और मैं इसे दुनिया के सामने पेश करने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रही हूं। मिसेज के अलावा, सान्या मल्होत्रा के पास कई प्रोजेक्ट्स हैं। वह जल्द ही वरुण धवन स्टारर फिल्म बेबी जॉन में नजर आएंगी, साथ ही वरुण धवन और जाह्नवी कपूर की सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी, मणिरत्नम की अपकमिंग तमिल एक्शन ड्रामा श्ठग लाइफश और अनुराग कश्यप निर्देशित अनटाइटल फिल्म में दिखाई देंगी।

कार्तिक आर्यन का वेट-लिफ्टेड पुल-अप्स करते वीडियो वायरल

बॉलीवुड एक्टर कार्तिक आर्यन इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म चंदू चौंपियन को लेकर सुर्खियों में हैं। इस फिल्म के लिए उन्होंने गजब का बॉडी ट्रांसफॉर्मेशन किया है। उनकी फिटनेस को देख हर कोई हैरान है। इस बीच एक्टर ने जिम में वर्कआउट करते हुए अपना एक वीडियो शेयर किया। एक्टर ने वर्कआउट के दौरान 'वेट–लिफ्टेड पुल–अप्स' करते हुए अपनी टोन्ड बॉडी को फ्लॉन्ट किया। वीडियो में वह अपनी कमर पर 15 किलो वेट प्लेट बांधकर पुल–अप्स करते नजर आ रहे हैं। एक्टर ने वीडियो शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, वेट लिफ्टेड पुशअप्स के बाद वेट लिफ्टेड पुलअप्स... अब आपकी बारी। बता दें कि फिल्म चंदू चौंपियन में कार्तिक भारत के पहले पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता मुरलीकांत पेटकर की भूमिका निभा रहे हैं। यह बायोग्राफिकल स्पोर्ट्स ड्रामा 14 जून को रिलीज होने वाली है। इसे साजिद नाडियाडवाला और कबीर खान ने साथ मिलकर प्रोड्यूस किया है। कार्तिक ने 2011 में प्यार का पंचनामा से अपने करियर की शुरुआत की और ब्लॉकबस्टर सोनू के टीटू की स्वीटी से सुर्खियां बटोरीं। वर्कफ्रंट की बात करें तो उनकी अपकमिंग प्रोजेक्ट्स लिस्ट में भूल भुलैया 3 शामिल है। इसमें उनके साथ तृप्ति डिमरी हैं। यह भूल भुलैया फ्रेंचाइजी की तीसरी फिल्म है। 2007 में रिलीज हुई पहली फिल्म में अक्षय कुमार, विद्या बालन, शाइनी आहूजा और अमीषा पटेल नजर आए थे। वहीं फ्रैंचाइजी की दूसरी फिल्म 2022 में रिलीज हुई और इसमें कार्तिक आर्यन, तब्बू और कियारा आडवाणी ने काम किया।

ग्लैमरस अवतार को छोड़ माफिया बनी सनी लियोनी, नई फिल्म का फर्स्ट लुक किया शेयर

इंडस्ट्री की जानी–मानी एक्ट्रेसेस में से एक सनी लियोनी ने बेशक कुछ ही फिल्मों में काम किया है, लेकिन उन्होंने जो भी आइटम सॉन्ग किया, वह लोगों के जुबां पर आज भी है। वह लाखों दिलों पर राज करती हैं। उनकी फिल्में और गानों का फैंस बेसब्री से इंतजार करते हैं। इस सब के बीच एक्ट्रेस सनी लियोनी ने सोमवार को अपनी अपकमिंग तमिल फिल्म कोटेशन गैंग का फर्स्ट लुक शेयर किया। एक्ट्रेस ने दो पोस्टर शेयर किए। इनमें उनका नया अवतार देखने को मिल रहा है, जिसे पहले कभी किसी ने नहीं देखा होगा। सोशल मीडिया पर सनी ने एक पोस्टर शेयर किया। इस पोस्टर में वह प्रिया मणि के रोल में स्कर्ट के साथ चेक शर्ट पहने नजर आ रही हैं। वहीं दूसरे पोस्टर में उन्होंने को–एक्टर जैकी श्रॉफ की गर्दन को गुस्से में पकड़ा हुआ है। पोस्टर देख ऐसा लग रहा है, जैसे सनी जैकी का गला दबा रही हैं। सनी ने ग्लैमरस अवतार को छोड़ बोल्ड माफिया के रोल को बखूबी उतारा है। एक्ट्रेस ने पोस्ट को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, एक हाइपर–लिंक फिल्म जुलाई से सिनेमाघरों में!... फिल्म में सनी एक हत्यारन की भूमिका में हैं, जो एक गिरोह की मुख्य सदस्य है। वह कॉन्ट्रैक्ट किलर है। उनका किरदार काफी क्रूर है, जो उनकी ग्लैमरस इमेज से बिलकुल अलग है। विवेक कुमार कन्नन इस फिल्म को डायरेक्ट कर रहे हैं। इसमें सनी के अलावा, सारा अर्जुन भी हैं। इसे गायत्री सुरेश और विवेक कुमार कन्नन ने प्रोड्यूस किया है। वर्कफ्रंट की बात करें, तो सनी को पिछली बार तमिल फिल्म श्थी इवान में देखा गया था। उनके पास मलयालम फिल्में रंगीला और शेरो, तमिल फिल्म वीरमादेवी और हिंदी फिल्म द बैटल ऑफ भीमा कोरेगांव है।

हमारे 12 को लेकर मिल रही धमकियां, अन्नू कपूर ने सीएम शिंदे से मांगी सुरक्षा

बॉलीवुड के अनुभवी एक्टर अन्नू कपूर की फिल्म हमारे बारह विवादों में घिर गई है। फिल्म को लेकर कई जगहों से विरोध–प्रदर्शन की तस्वीरें आ रही हैं। वहीं फिल्म से जुड़े सभी कलाकारों और क्रू को जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। यह फिल्म 7 जून को रिलीज होगी। फिल्म की रिलीज से पहले धमकियों को लेकर अन्नू कपूर ने डायरेक्टर और प्रोड्यूसर के साथ महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से मुलाकात की और सुरक्षा की मांग की। मीडिया से बात करते हुए एक्टर अन्नू कपूर ने कहा, हमारे बारह के संदर्भ में हम माननीय मुख्यमंत्री जी से मिले। फिल्म के निर्देशक कमल चंद्रा, प्रोड्यूसर रघुवीर गुप्ता, वीरेंद्र भगत, संजय नागपाल और फिल्म के तमाम कलाकारों को, जिनमें मैं भी शामिल हूं... जान से मारने की धमकी मिल रही है, सिर काटने की धमकी मिल रही है। उन्होंने आगे कहा, 7 जून शुक्रवार को हमारे बारह देशभर में और 15 अन्य देशों में रिलीज होने वाली है और हमने मुख्यमंत्री से सुरक्षा प्रदान करने का अनुरोध किया है। माननीय मुख्यमंत्री ने भरोसा दिलाया है और अपने शासन तंत्र को निर्देश दिया है कि हमारे श्हमारे बारहश यूनिट को, फिल्म को, सभी कलाकारों को सुरक्षा प्रदान करें। उन्होंने आगे कहा, माननीय मुख्यमंत्री ने सुरक्षा का पूरा आश्वासन दिया है। संवैधानिक तरीके से फिल्म को रिलीज किया जाएगा, इसे सेंसर बोर्ड ने भी पास किया है। मुझे लगता है कि दोषी लोगों के खिलाफ सरकार कार्रवाई भी करेगी। वहीं निर्देशक कमल चंद्रा ने कहा, मेरे पास काफी अज्ञात नंबरों से कॉल और मैसेज आ रहे हैं। मैंने कॉल उठाना बंद कर दिया है। यह एक गंभीर फिल्म है, हमने किसी कम्युनिटी को टारगेट नहीं किया है। यह सिर्फ एक परिवार की कहानी है। मेरी आप सबसे अपील है कि इसको किसी कम्युनिटी से न जोड़े। हमने किसी को भी ठेस पहुंचाने का काम नहीं किया है। पहले फिल्म देखें और उसके बाद ही फैसला लें। कृपया किताब के पन्ने से पूरी फिल्म का आकलन न करें। कमल चंद्रा के डायरेक्शन में बनी फिल्म में अन्नू कपूर के अलावा पार्थ समथान, अश्विनी कालसेकर और पारितोष तिवारी लीड रोल में हैं। इसका निर्माण राधिका जी फिल्म और न्यूटेक मीडिया एंटरटेनमेंट द्वारा किया गया है।

लंबे समय तक एसी में रहने से हो सकती हैं कई स्वास्थ्य समस्याएं, जानिए क्या कहते हैं एक्सपर्ट

मई–जून के महीने में गर्मी अपना प्रचंड रूप दिखा रही है। चिलचिलाती धूप और लू ने लोगों को परेशान कर रखा। जिसके कारण लोगों का घर से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। ऐसे में तेज गर्मी से राहत पाने के लिए लोग अधिकतर समय कूलर या एसी के सामने बिताते हैं। इन दिनों एसी का चलन काफी ज्यादा बढ़ गया है। घर हो या ऑफिस हर जगह एसी लगी होती है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि लगातार एसी की हवा खाना आपके स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा रही है। साथ ही एसी की हवा से बाहर निकलने पर भी बुरा असर पड़ता है। दरअसल, एसी की ठंडी हवा में रहने के बाद जब आप गर्म वातावरण में बाहर जाते हैं, तो अचानक तापमान में बदलाव होता है। जो आपकी सेहत पर बुरा असर डालता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि एसी की हवा किस तरह से आपके स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा रही है।

जानिए क्या कहते हैं हेल्थ एक्सपर्ट

हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक जब आप एसी के ठंडे वातावरण से बाहर निकलते हैं। तो तापमान में अचानक से होने वाला बदलाव आपकी सेहत पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकता है। जब आपका शरीर ठंडे वातारवण से गर्मी में जाता है, तो उसे गर्मी का झटका लगता है। अचानक से हुए इस तापमान के बदलाव की वजह से कई शारीरिक प्रतिक्रियाएं शुरू हो सकती हैं।

दिल की सेहत के लिए नुकसानदेह

एसी का ठंडा वातावरण सबसे पहले आपका हार्ट फंक्शन प्रभावित होता है। गर्मी की वजह से ठंडे वातावरण में सिकुड़ी हुई रक्त वाहिकाएं यानी ब्लड वेसल्स काफी तेजी से फैलने लगती है। जिसके कारण ब्लड प्रेशर में तेजी से कमी आती है। इसकी वजह से आपकोचक्कर या बेहोशी भी आ सकती है। खासकर दिल की बीमारी का शिकार लोगों यह बदला वातावरण काफी परेशान कर सकता है।

ब्रोंकाइटिस या अस्थमा के पेशेंट

ठंडे तापमान के बाद अचानक से गर्मी तापमान में आने से ब्रोंकाइटिस या अस्थमा जैसी रेस्पिरेटरी संबंधी बीमारियां पकड़ सकती हैं। जब शरीर अधिक पसीना बहाकर खुद को ठंडा रखने की कोशिश करता है। वहीं गर्मी की वजह से डिहाइड्रेशन भी हो सकता है। ऐसे में शरीर में पानी और इलेक्ट्रोलाइट्स की कमी के कारण थकावट, सिरदर्द और मांसपेशियों में ऐंठन हो सकती है।

हीटस्ट्रोक

जब आप अचानक से ठंडे तापमान से निकलकर गर्म तापमान में जाने से शरीर इसको कंट्रोल करने में असमर्थ होता है और हीटस्ट्रोक का कारण बनती है। इसकी वजह तेज दिल की धड़कन और यहां तक घ्घ्घ्कि बेहोशी जैसे लक्षण देखने को मिल सकते हैं। जब शरीर की इस तापमान को कंट्रोल करने की क्षमता विफल हो जाती है, तो शरीर के तापमान में तेजी से बढ़ोत्तरी होती है। जिसके कारण हीट स्ट्रोक होता है। जो एक गंभीर और घातक बीमारी है।

तकिया लेकर सोने की आदत कर रही है आपको बीमार, जानें कैसे

नारी डेस्करू सोते समय तकिया लेना हर किसी के लिए बेहद जरुरी होता है, खासतौर पर रात के समय। कई लोग तो 1 की बजाए दो या तीन तकिये भी लेकर सोते हैं। नर्म–नर्म रूई से भरे तकिये पर सोना भले ही बेहद आरामदायक होता है लेकिन क्या आप जानते हैं कि इससे आप अपनी सेहत के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। दरअसल, सुनने में थोड़ा अजीब जरूर लगता है, लेकिन यह सच है कि तकिया लगाकर सोने से हम कई बीमारियों को बढ़ावा देते हैं। अगर आप भी एक या एक से ज्यादा तकिये लेकर सोते हैं तो पहले इससे होने बाले नुकसान के बारे में जरूर जान लें।

बढ़ जाती है गर्दन की अकड़न

तकिया बहुत ऊंचा हो या सख्त तकिया इस्तेमाल करने से कंधों और गर्दन की मांसपेशियों पर दबाव पड़ता है जिससे गर्दन में दर्द और अकड़न की समस्या हो सकती हैं। गर्दन के मसल्स खिंच सकते हैं और सिर के पिछले हिस्से, पीठ और गर्दन से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं।

स्पाइन से जुड़ी समस्याएं

तकिया लगाने से सोते समय शरीर का पॉस्चर बिगड़ जाता है और रीढ़ की हड्डी को क्षति पहुंच सकती है। इससे स्पाइन या रीढ़ की हड्डी का आकार बिगड़ सकता है और कई प्रकार की हेल्थ प्रॉब्लम्स हो सकती हैं

जल्द आ सकता है बुढ़ापा

दरअसल, तकिए के सम्पर्क में आने से चेहरे की त्वचा खिंचती है और उसपर प्रेशर पर भी पड़ता है। इससे चेहरे की त्वचा पर झुर्रियां, फाइन लाइंस जल्दी दिख सकती हैं जो कि बुढ़ापे की निशानियां मानी जाती हैं। इसी तरह स्किन इंफेक्शन्स का खतरा भी बढ़ता है।

होती हैं त्वचा सम्बन्धी समस्या

तकिये की खोल को रोज नहीं धोया जाता है, जिसके कारण इसके ऊपर गंदगी, तेल, धूल और कहीं आपके बालों में डैंड्रफ है तो वह भी झड़ कर लग जाता है। यह सब आपके चेहरे की त्वचा के सम्पर्क में आते हैं, जिससे त्वचा सम्बन्धी समस्याएँ होने लगती हैं।

बिना तकिये लगाए सोने से होते हैं यह फायदे

कमर दर्द में होता है आराम

आपकी रीढ़ की हड्डी धीरे–धीरे टेढ़ी होनी शुरू हो जाती है। जी हां, तकिया लगाकर सोने से रीढ़ की हड्डी के नैचुरल पोश्चर में गड़बड़ी होनी शुरू हो जाती है और कमर दर्द शुरू हो जाता है। इसलिए बिना तकिए के सोने से आपकी गर्दन और रीढ़ की हड्डी सही पोजीशन में होती है और दर्द नहीं होता है।

नहीं होता सिरदर्द

जब भी आप रात के वक्त तकिया लगाकर सोते हैं तो सिर में खून की आपूर्ति सही तरीके से नहीं हो पाती है, जिसकी वजह से ऑक्सीजन भी सही से नसों तक नहीं पहुंच पाती है। यही वजह है कि आप अगले दिन सुबह उठने के बाद सिर में हल्का–हल्का दर्द महसूस करते हैं। जब आप बगैर तकिए के सोते हैं तो सिर में खून की आपूर्ति सही तरीके से होती है और सिरदर्द की समस्या नहीं होती।

तनाव से छुटकारा

बहुत से लोग नींद न पूरी होने की वजह से अगले दिन चिड़चिड़ापन और खुद को तनाव से घिरा हुआ पाते हैं। अगर आपका तकिया आपको आराम नहीं दे पा रहा है तो आप और ज्यादा तनाव ग्रस्त हो सकते हैं। इसलिए बिना तकिया के सोकर आप तनाव से छुटकारा पा सकते हैं।

गर्दन दर्द और खिंचाव से मिलता आराम

तकिए के बिना सोने से आपकी गर्दन को भी दर्द और खिंचाव से आजादी मिलती है और आपके कंधे भी परेशान नहीं करते। बिना तकिया लगाये सोने से गर्दन और कंधे में रक्त संचार सामान्य रूप से होता है और आप इससे जुड़ी दिक्कतों से परेशान नहीं होते।

बेहतर आती है नींद

कई अध्ययनों से पता लगा है कि तकिया लगा कर सोने की जगह बिना तकिए पर सोने पर नींद ज्यादा बेहतर आती है और आप दिनभर तरोताजा और रिलैक्स अनुभव करते हैं। सिर, गर्दन और कंधे की नसों को आराम मिलने के चलते आप की नींद की क्वालिटी बेहतर हो जाती है और आप एक सुकून भरी नींद का मजा ले पाते हैं ।

कम होती हैं झुर्रियाँ

इससे उसका दायाँ या बायाँ गाल दब जाता है। यह तरीका आपके चेहरे पर घंटों तक दबाव बनाए रखता है जिससे रक्त संचार प्रभावित होता है और चेहरे की समस्याएं उभरती हैं। सबसे बड़ी समस्या चेहरे पर झुर्रियाँ जल्दी आने लगती हैं। यदि आप चाहते हैं कि आपके चेहरे पर जल्द से झुर्रियाँ नहीं पड़ने लगें तो आप तकिये के बिना सोना शुरू करें।

बार-बार मिसकैरेज की हो सकती है ये वजह, 50 प्रतिशत महिलाओं को नहीं है इसकी जानकारी

बार–बार होने वाले गर्भपात के पीछे कई कारण होते हैं, जैसे आनुवांशिक कारक, पर्यावरणीय कारक, संक्रमण, हार्मोन विकार आदि। आमतौर पर गर्भपात गर्भावधि के 20 सप्ताह से पहले होता है, लेकिन कुछ मामलों में यह पहले 12 सप्ताह में भी हो सकता है। लगभग 50 प्रतिशत महिलाओं की बार–बार गर्भपात के लिए सटीक जांच और उपचार हो जाता है, लेकिन शेष 50 प्रतिशत मामलों में कारण अस्पष्ट रह जाते हैं या उनकी समस्या का कोई स्पष्ट कारण नजर नहीं आता।

'पैल्विक फ्लोर' है बड़ी समस्या

इस स्थिति का एक बहुत ही महत्वपूर्ण कारण हो सकता है 'पैल्विक फ्लोर' की मांसपेशियों की कमजोरी जिसे स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा भी अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है। 'पैल्विक फ्लोर' शरीर का वह हिस्सा है, जिसमें ब्लैडर, यूटेरस, वजाइना और रैक्टम होते हैं। यह हिस्सा महिलाओं के शरीर के सबसे अहम अंगों को सहेज कर रखता है। इसकी कमजोरी की समस्या पर काबू पाने के लिए अभी तक अधिक महत्व नहीं दिया गया है। गर्भपात की समस्या से पीड़ित अधिकांश महिलाएं सटीक कारण का पता लगाने के लिए पेट की जांच और परीक्षण करवाती हैं।

महिलाओं को करवानी चाहिए जांच

ऐसी सभी महिलाओं के लिए जरूरी है कि वे 'पैल्विक फ्लोर' की मांसपेशियों की जांच भी करवाएं ताकि इसकी कमजोरी की समस्या का भी पता चल सके। यदि यह आपके गर्भपात का कारण निकलता है तो स्त्री रोग विशेषज्ञ या पैल्विक फ्लोर रिहैबिलिटेशन स्पैशलिस्ट से उचित परामर्श लेना चाहिए। 'पैल्विक फ्लोर' की मांसपेशियों की कमजोरी का उपयुक्त इलाज और उसके बाद गर्भपात की समस्या का समाधान किया जा सकता है।

डॉक्टर से जरुर लें सलाह

एक्सपर्ट की मानें तो प्रेग्नेंसी के दौरान पेल्विक फ्लोर में बदलाव शुरू हो जाता है। इस बदलाव की वजह से पेल्विक फ्लोर के 25 प्रतिशत तक कमजोर होने की संभावना हो जाती है। इसलिए, डिलीवरी के बाद थोड़ी–थोड़ी एक्सरसाइज जरूर करनी चाहिए। हेल्थ एक्सपर्ट के अनुसार जिन महिलाओं को ऐसा लगता है कि उनकी पेल्विक फ्लोर कमजोर है और इसकी वजह से उन्हें समस्याएं हो रही हैं, तो इस विषय पर डॉक्टर से सलाह लें।

क्या है इसका इलाज

–कुछ मामलों में इलाज बिना सर्जरी के होता है, लेकिन ज्यादातर मामलों में इस समस्या का इलाज सिर्फ सर्जरी ही है।

–बिना सर्जरी के इलाज में पेल्विक फ्लोर की मांसपेशियों की मजबूती के लिए एक्सरसाइज कराई जाती है।

–अगर पेशाब की थैली या मलाशय नीचे आता है तो पेल्विक फ्लोर रिपेयर किया जाता है।

–अगर बच्चेदानी और वजाइना बिल्कुल नीचे आ गई हो तो बच्चेदानी निकालनी पड़ती है।

–योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाकर भी पेल्विक मसल्स काफी बेहतर हो सकती है।

–कई बार कीगल्स एक्सरसाइज से इस समस्या का समाधान हो जाता है।

लाखों श्रद्धालु पहुंचे चारधाम की यात्रा पर, भीड़ कम होने का नाम नहीं ले रही

चारधाम यात्रा को शुरु हुए 24 दिन हो गए है। हालांकि, धामों में दर्शन करने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ कम नही हो रही है। रिपोर्ट के अनुसार अब तक चारधामों और हेमकुंड साहिब के 15. 67 लाख श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। गौरतलब है कि यात्रा की शुरुआती 10 दिन में जहां दर्शन करने वालों की संख्या 5.69 लाख से अधिक थी। वहीं 14 दिन में 9.97 लाख से ज्यादा ने दर्शन किए हैं। बता दें, 10 मई और हेमकुंड साहिबा की यात्रा 25 मई से शुरु हुई। मगर, चारधाम यात्रा के शुरुआती 10 दिन में केदारनाथ, बदरीनाथ, गंगोत्री व यमुनोत्री धाम में 5.9 लाख अधिक श्रद्धालुओं ने दर्शन किए।

घंटों तक जाम लग रहा है: धामों में दर्शन के लिए भीड़ बढ़ने और यात्रा मार्गों पर घंटों जाम लगने से सरकार व प्रशासन को काफी मशक्कत करनी पड़ी। भीड़ नियंत्रित करने के लिए सरकार ने ऑफलाइन पंजीकरण पर भी रोक लगाई थी। वहीं, 1 जून से फिर से आफलाइन पंजीकरण खोल दिए गए। यात्रा मार्गों में अब जाम की पहली जैसी स्थिति नहीं है।

नीट यू जी के जारी हुए रिजल्ट में कुंडा की माटी के लाल ने बाजी मारी

प्रतापगढ़। कुंडा के करेंटी गांव के निवासी स्वर्गीय अर्जुन पाण्डेय के पौत्र और प्रतिष्ठित अधिवक्ता हरेंद्र पाण्डेय के सुपुत्र आदर्श पाण्डेय ने नीट यू जीकी परीक्षा में 720में से 705अंक लाकर आल इण्डिया रैंक में 1303वां और कैटेगरी रैंक में 113रैंक हासिल कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है स संवाददाता से बातचीत में आदर्श पाण्डेय ने अपनी उपलब्धि का श्रेय अपने माता पिता और अपने शैक्षणिक संस्थान को देते हुए कहा कि लगन मेहनत उचित मार्गदर्शन और अध्ययन ही सफलता की कुंजी हैस आदर्श पाण्डेय की इस उपलब्धि की खबर मिलते ही क्षेत्र के लोग घर जाकर और फोन पर बधाईयां और शुभकामनाएँ प्रदान कर रहे हैं।

दुष्कर्म पॉक्सो एक्ट के अभियोग से संबंधित 01 वांछित अभियुक्त गिरफ्तार(थाना महेशगंज)

प्रतापगढ़। पुलिस अधीक्षक, प्रतापगढ़ श्री सतपाल अंतिल के निर्देशन में' थाना महेशगंज के 'प्रभारी निरीक्षक श्री श्रवण कुमार सिंह मय हमराह उ0नि0 श्री विवेक कुमार यादव, का0 अंकित आर्या, का0 अजीत यादव, म0का0 नीतू शर्मा, म0का0 कविता यादव' द्वारा देखभाल क्षेत्रध तलाश वांछित, वारण्टी अभियुक्त, संदिग्ध व्यक्ति, वाहनों की चेकिंग एवं विवेचना के दौरान, मुखबिर की सूचना पर थाना स्थानीय पर पंजीकृत 'मु0अ0सं0 249ध्2023 धारा 376(3), 354ग, 506, 120बी भादवि व 5छध्6, 16ध्17 पॉक्सो एक्ट' से संबंधित 01 वांछित अभियुक्त 'रुपेन्द्र सिंह पुत्र फूल सिंह निवासी ग्राम कटरा थाना हथिगवां, जनपद प्रतापगढ़' को थाना क्षेत्र महेशगंज के ऐंधा मोड़, हीरागंज रोड़ के किनारे से गिरफ्तार किया गया ।

'गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण–'

रुपेन्द्र सिंह पुत्र फूल सिंह निवासी ग्राम कटरा थाना हथिगवां, जनपद प्रतापगढ़ ।

'पुलिस टीम–' प्रभारी निरीक्षक श्री श्रवण कुमार सिंह मय हमराह उ0नि0 श्री विवेक कुमार यादव, का0 अंकित आर्या, का0 अजीत यादव, म0का0 नीतू शर्मा, म0का0 कविता यादव थाना महेशगंज, जनपद प्रतापगढ़।

हत्या के प्रयास के अभियोग से संबंधित 01 वांछित अभियुक्त गिरफ्तार(थाना लीलापुर)

प्रतापगढ़। पुलिस अधीक्षक, प्रतापगढ़ श्री सतपाल अंतिल के निर्देशन में' थाना लीलापुर के 'उ0नि0 श्री शहंशाह खान' मय हमराह हे0का0 एजाज खान, का0 रंजीत बाबू द्वारा देखभाल क्षेत्रध तलाश वांछित वारण्टी अभियुक्त व विवेचना के दौरान, थाना लीलापुर में पंजीकृत 'मु0अ0सं0 149ध्2024 धारा 147, 148, 149, 323, 504, 506, 354क, 307, 376, 325 भादवि' से संबंधित 01 वांछित अभियुक्त 'असरार अहमद पुत्र मो0 इसराइल निवासी परमेश्वरापुर थाना लीलापुर प्रतापगढ' को थानाक्षेत्र लीलापुर के लीलापुर तिराहे के पास से गिरफ्तार किया गया ।

'गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण–'

'01.' असरार अहमद पुत्र मो0 इसराइल निवासी परमेश्वरापुर थाना लीलापुर, जनपद प्रतापगढ।

'पुलिस टीम–' उ0नि0 श्री शहंशाह खान मय हमराह हे0का0 एजाज खान, का0 रंजीत बाबू थाना लीलापुर जनपद प्रतापगढ़।

जबलपुर इकाई की काव्यगोष्ठी सम्पन्न

जबलपुर । शहर समता विचार जबलपुर इकाई की काव्यगोष्ठी विश्व पर्यावरण दिवस पर ऑनलाइन सफलतापूर्वक संपन्न स काव्यगोष्ठी का शुभारंभ अध्यक्षता कर रही रचना सक्सेना राष्ट्रीय अध्यक्ष , मुख्य छाया त्रिवेदी विशिष्ट अतिथि डा. राजलक्ष्मी शिवहरे, डॉ मुकुल तिवारी , सारस्वत अतिथि डॉ खुशबू राठी । सभी अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती की मूर्ति में माल्यार्पण द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति सिद्धेश्वरी सराफ शीलू द्वारा की गयी। काव्य गोष्ठी का संयोजन उमा मिश्रा प्रीति एवं कुशल संचालन अनीता दुबे ने किया। अतिथियों का स्वागत अर्चना द्विवेदी एवं अंजलि तिवारी द्वारा काव्य गोष्ठी में सभी बहनों ने अपनी सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चांद लगा दियें। कुमारी चंदा देवी स्वर्णकार ,रेखा चौधरी, राजकुमारी रैकवार, कविता राय, डा. कुमकुम शुक्ला, रश्मि पांडे , शैली सेठ, मंजूषा किंजवडेकर, जयश्रीकांत, आशा श्रीवास्तव , प्रभा बच्चन श्रीवास्तव, अनुराधा गर्ग , गायत्री चौबे। धन्यवाद ज्ञापन छाया सक्सेना प्रभु ने किया।

हत्या के अभियोग से संबंधित 01 अभियुक्त गिरफ्तार, घटना में प्रयुक्त आलाकत्ल सरिया व डंडा बरामद (थाना हथिगवां)

प्रतापगढ़। दिनांक 29.05.2024 को थाना क्षेत्र हथिगवां के ग्राम छिछिलिया बछन्दामऊ में मारपीट के दौरान एक व्यक्ति के द्वारा उसकी पत्नी की मृत्यु हो गई थी। इस सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना हथिगवां में मु0अ0सं0 110ध 2024 धारा 302 भादवि का अभियोग पंजीकृत किया गया था।'

'पुलिस अधीक्षक, प्रतापगढ़ श्री सतपाल अंतिल' के द्वारा उक्त अभियोग से संबंधित अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु टीमे गठित कर संबंधित को कड़े निर्देश दिये गये थे, इसी क्रम में 'थाना हथिगवां के प्रभारी निरीक्षक श्री नन्दलाल सिंह' मय हमराह द्वारा देखभाल क्षेत्रध तलाश वांछित,वारण्टी अभियुक्तध विवेचना के दौरान मुखबिर की सूचना पर अभियोग उपरोक्त से संबंधित वांछित 'महेश सरोज उर्फ चालू पुत्र विश्वनाथ सरोज नि0ग्राम छिछिलिया बछन्दामऊ थाना हथिगवां जनपद प्रतापगढ़ध' को थानाक्षेत्र हथिगवां के गोपालगंज बस स्टाप के पास से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त आलाकत्ल सरिया व डंडा बरामद किया गया।

'पूछताछ का विवरणः–'

गिरफ्तार अभियुक्त ने पूछताछ में बताया गया कि करीब 12–13 वर्ष पूर्व हमारी शादी हुई थी हमारे 03 बच्चे हैं । मेरे घर से बाहर रहने के दौरान मेरी पत्नी का संबंध एक दूसरे व्यक्ति के साथ हो गया था मेरे द्वारा उसे मना करने के बाद भी उस व्यक्ति से मेरी पत्नी का मिलना निरंतर जारी रहा। दिनांक 29.05.2024 को इसी विवाद को लेकर हम दोनो में मारपीट हो गयी जिसमें मेरी पत्नी की मृत्यु हो गयी।

'गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण–'

महेश सरोज उर्फ चालू पुत्र विश्वनाथ सरोज नि0ग्राम छिछिलिया बछन्दामऊ थाना हथिगवां जनपद प्रतापगढ़ ।

मारवाड़ी सम्मेलन विश्वनाथ चारिआलि शाखा द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया

जाने माने पर्यावरणविद कुमुद बरुआ को प्रशस्ति पत्र से सम्मान

विश्वनाथ, असम। विश्वनाथ शाखा द्वारा आज विभिन्न

चारिआलि मारवाड़ी सम्मेलन कार्यक्रम के साथ विश्व परिवेश दिवस मनाया गया। सर्वप्रथम मारवाड़ी सम्मेलन विश्वनाथ चारिआलि शाखा के पदाधिकारीगण विश्व पर्यावरण के साथ संबंध रखकर विश्वनाथ व राज्य के जाने पर्यावरणविद कुमुद बरूवा को उनके निवास स्थान में जाकर विश्व पर्यावरण दिवस की शुभकामनाएं दी। इसके बाद शाखा पदाधिकारीगण पर्यावरणविद कुमुद बरूवा को फुलाम गामोछा और प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया। इस मौके पर मारवाड़ी सम्मेलन विश्वनाथ चारिआलि शाखा के अध्यक्ष छत्तर सिंह पवार, उपाध्यक्ष दिलीप शर्मा, सचिव संदीप अग्रवाल, सह सचिव जय गोयनका, सलाहकार जगदीश अग्रवाल आदि मौजूद थे। उल्लेखनीय है कि सम्मानित कुमुद बरुआ ने विश्वनाथ तथा शोणितपुर जिले के राष्ट्रीय मार्ग के दोनों किनारे पेड़– पौधे लगाकर को शहर को हरियाली बनाने में अहम भूमिका निभाई है।श्री कुमुद जी अपने उम्र को नजरअंदाज करते हुए भी अपने जीवन को पर्यावरण के लिए समर्पित किये है। उन्हें विभिन्न पुरस्कारों से नवाजा जा चुका है।तत्पश्चात शाखा के पदाधिकारगण विश्वनाथ जिला कारगार में उपस्थित होकर 10–15 वृक्षारोपण की।

सीएमपी डिग्री कॉलेज में विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर छात्रों को किया गया जागरूक

प्रयागराज। सी.एम.पी. डिग्री कॉलेज के वनस्पति विज्ञान विभाग और अथर्वन फाउंडेशन के संयुक्त तत्वाधान में आज विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष में विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसमें स्नातक, परास्नातक, और शोध छात्रों के द्वारा विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों जैसे डिजिटल पोस्टर प्रतियोगिता और क्विज प्रतियोगिता में भाग लिया गयाद्य प्राचार्य प्रोफेसर अजय प्रकाश खरे ने विश्व पर्यावरण दिवस के बारे मे बच्चों को बतायास कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रोफेसर एन. बी. सिंह (हरियाली गुरु) ने पौधा रोपण किया तथा बच्चों को प्लास्टिक न उपयोग करने की सलाह दी स अथर्वन फाउंडेशन की तरफ से श्री ब्रजेश मिश्रा और डॉ. कंचन मिश्रा ने बच्चों को पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरूक किया और जूट के बने थैले वितरित किये स पंजाबी यूनिवर्सिटी से डॉ. मनीष कपूर ने भी पर्यावरण संरक्षण हेतु छात्रों को जागरूक किया स उक्त कार्यक्रम में सीएमपी डिग्री कॉलेज के एन.सी.सी. एवं एन. एस.एस. के छात्र–छात्राओं ने भाग लिया स एन.सी.सी. की कोऑर्डिनेटर डॉ. रंजना तिवारी एवं एन.एस.एस. के कोऑर्डिनेटर डॉ. राम चिरंजीव मौजूद रहे स

विभागाध्यक्ष डॉ. सरिता श्रीवास्तव ने बच्चो को विश्व पर्यावरण दिवस के थीम "लैंड रेस्टोरेशन, डेजर्टिफिकेशन एंड ड्रॉट रेसिलियंस" बारे मे बताया स कार्यक्रम के अंत मे डॉ. दीपक कुमार गोंड ने धन्यवाद ज्ञापन किया द्य

उपरोक्त कार्यक्रमों मे डिजिटल पोस्टर प्रतियोगिता मे प्रथम स्थान हर्षि अग्रवाल एवं रितिका सिंह को, द्वितीय स्थान प्रिंस कुमार सिंह और रूपल दुबे, तृतीय स्थान अपर्णा द्विवेदी और सौम्या यादव को दिया गया।

क्विज प्रतियोगिता मे प्रथम स्थान अंजु निषाद, चार्वी मिश्रा एवं विभा कुमारी, द्वितीय स्थान अनुराग आनंद एवं अपर्णा द्विवेदी और तृतीय स्थान अनुराग कुमार मिश्रा, प्रीतम सिंह, सलोनी, शिखा शर्मा, एवं शोभना कुमारी को दिया गया।

इस मौके पर वनस्पति विज्ञान विभाग में सी.एम.पी. डिग्री कॉलेज के प्राचार्य प्रोफेसर अजय प्रकाश खरे, विभागध्यक्ष डॉ. सरिता श्रीवास्तव, डॉ. दीपक कुमार गौड़, डॉ. संजय सिंह, डॉ. रंजना तिवारी, डॉ. राम चिरंजीव उपस्थित रहेस अथर्वन फाउंडेशन की ओर से श्री ब्रजेश मिश्रा, डॉ. कंचन मिश्रा, डॉ. रश्मि भार्गव, डॉ. समीर भार्गव, श्री राजीव शुक्ला आदि उपस्थित रहेस साथ में शोध छात्र रूपेंद्र कुमार यादव, सुरेश कुमार, स्वप्निल आनंद, रूचि मणि भी मौजूद रहे।

लोकसभा चुनाव में यूपी के 8 विधायकों समेत विधानमंडल के 9 सदस्यों ने बजाया जीत का डंका, अखिलेश भी शामिल

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के 8 विधायकों समेत विधानमंडल के नौ सदस्यों ने लोकसभा चुनावों में जीत दर्ज की है। इससे प्रदेश में एक मिनी विधानसभा चुनाव की संभावना बन गई है। राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण राज्य उत्तर प्रदेश से 13 विधायकों और चार विधान परिषद सदस्यों (एमएलसी) ने लोकसभा चुनाव लड़ा था। इनमें से एक विधान परिषद सदस्य और आठ विधायकों ने जीत हासिल की जबकि तीन एमएलसी और पांच विधायकों को पराजय का सामना करना पड़ा। लोकसभा चुनाव में जीत दर्ज करने वाले विधान मंडल सदस्यों की सीटों पर उपचुनाव कराना होगा। चुनाव आयोग के अनुसार, समाजवादी पार्टी ने राज्य की 80 में से सबसे अधिक 37 लोकसभा सीटें जीतीं, जबकि उसकी सहयोगी कांग्रेस को छह सीटें मिलीं। भाजपा ने 33 सीटें जीतीं, जबकि उसके सहयोगी राष्ट्रीय लोक दल और अपना दल (सोनेलाल) ने क्रमशः दो और एक सीट जीती। आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) ने एक सीट पर जीत हासिल की। उत्तर प्रदेश में चुनाव हारने वाले मौजूदा विधायकों की संख्या पाँच है, जबकि लोकसभा चुनाव में विजयी होने वाले एकमात्र एमएलसी उत्तर प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री जितिन प्रसाद हैं, जिन्होंने पीलीभीत लोकसभा सीट से जीत दर्ज की। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी को 1,64,935 मतों के अंतर से हराया। उत्तर प्रदेश के अन्य मंत्री, जो जीत हासिल करने में कामयाब रहे उनमें हाथरस सीट से राजस्व राज्य मंत्री अनूप प्रधान श्बाल्मीकिश ने 2,47,318 मतों के अंतर से जीत हासिल की। घ्अनूप प्रधान श्बाल्मीकिश अलीगढ़ जिले के खैर विधानसभा क्षेत्र से विधायक हैं।लोकसभा चुनाव हारने वाले एक अन्य मंत्री दिनेश प्रताप सिंह हैं। बागवानी, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार और कृषि निर्यात राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) सिंह रायबरेली लोकसभा सीट से कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी से 3,90,030 मतों के अंतर से हार गए। दिनेश प्रताप सिंह एमएलसी हैं। उत्तर प्रदेश के अन्य एमएलसी सकेत मिश्रा हैं। वह श्रावस्ती सीट से सपा के राम शिरोमणि वर्मा से 76,673 मतों से हार गए। बहुजन समाज पार्टी के एमएलसी भीमराव अंबेडकर को हरदोई सीट से भाजपा के जयप्रकाश के हाथों पराजय का सामना करना पड़ा। मैनपुरी सदर सीट से विधायक और उत्तर प्रदेश के पर्यटन और संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह मैनपुरी लोकसभा सीट से समाजवादी पार्टी की डिंपल यादव से 2,21,639 मतों के अंतर से हार गए। मैनपुरी जिले के करहल विधानसभा क्षेत्र से मौजूदा विधायक समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने कन्नौज लोकसभा सीट से जीत दर्ज की, उन्होंने भाजपा के सुब्रत पाठक को 1,70,922 मतों के अंतर से हराया। अपनी–अपनी सीटों से जीत हासिल करने वाले अन्य सपा विधायकों में मुरादाबाद के कुंदरकी से विधायक जियाउर रहमान शामिल हैं। उन्होंने संभल लोकसभा सीट पर पार्टी का कब्जा बरकरार रखा। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी भाजपा के परमेश्वर लाल सैनी को 1,21,494 मतों से हराया। इसी तरह, अंबेडकरनगर के कटेहरी से विधायक वरिष्ठ सपा नेता लालजी वर्मा ने अंबेडकर नगर लोकसभा सीट पर भाजपा के रितेश पांडे को 1,37,247 मतों के अंतर से हराया। महराजगंज जिले के फरेंदा से कांग्रेस विधायक वीरेंद्र चौधरी ने महराजगंज लोकसभा सीट से चुनाव लड़ा था मगर वह केंद्रीय मंत्री पंकज चौधरी से 35,451 मतों से हार गए।

पलरा क्रिकेट लीग का हुआ आयोजन

कौशाम्बी। ग्रामीण क्षेत्र में उभरते हुए प्रतिभाओ को ऊँची उड़ान देने व उनके प्रतिभा को सम्मान देने के लिए संकल्पित आकाश त्रिपाठी बादल, पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष व जिला पंचायत प्रत्याशी ने कौशाम्बी के पलरा बैरामपुर में क्षेत्र के युवाओं के लिए पीसीएल (पलरा क्रिकेट लीग

) का आयोजन हर वर्ष करवाते है सयह आयोजन इस वर्ष भी बड़ी हीं धूम – धाम से मनाया जा रहा है सहजारों प्रतिभाशाली युवाओं ने अपने हुनर से इस आयोजन को रोचक बनाया है, यह आयोजन अपने आखरी पड़ाव पर पहुंच चूका है सकई टीमों को मात देकर कुंडा व डक्शरिरा ने फाइनल मुकाबले में जगह बनाने में सफल हुई है।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर समस्त विकास खंड में पौधरोपण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

प्रतापगढ़ ।आज दिनांक 05 जून, 2024 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर समस्त विकास खंड में पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। इस अवसर पर संबंधित विकासखंड के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित।

देहरादून इकाई.की काव्यगोष्ठी सम्पन्न

.देहरादून। .शहर समता विचार मंच.देहरादून इकाई..की महिला काव्य गोष्ठी.यामा शर्मा ष्उमेशष् के संयोजन मे..निशा अतुल. की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई ।इस काव्यगोष्ठी की मुख्य अतिथि..उमेश श्रीवासतव...एवं विशिष्ट अतिथि रचना श्रीवास्तव.. . रही। यह काव्य गोष्ठी शाम 4रू30 बजे सै.6रू30...बजे तक चली जिसका शुभारंभ अध्यक्षता कर रही निशा अतुल द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती की मूर्ति में माल्यार्पण द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति .महेश्वरी कनेरी..द्वारा की गयी। काव्य गोष्ठी का कुशल संचालन डा० क्षमा कौशिक ने किया। इस काव्य गोष्ठी में आमंत्रित कवित्रियों ने अपनी सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चांद लगा दिये । धन्यवाद ज्ञापन..निशा अतुल्य.ने किया।

इंडिया गठबंधन ने किया कमाल, एनडीए हुआ बेहाल

जीत नही सके मोदी कैबिनेट के सात और योगी कैबिनेट के दो मंत्री

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश की जनता ने तो एनडीए को नापसंद किया है। मोदी कैबिनेट के सात और योगी कैबिनेट के दो मंत्री हार गए। इतना ही नहीं अयोध्या जैसी प्रतिष्ठा की सीट भी नही बचा पाई बीजेपी।दो लड़कों की जोड़ी को गम्भीरता से लेना तो दूर नेताओं ने खूब बयानबाजी की। ये जो पब्लिक है, सब जानती है, पोलिंग बूथ पर पहुंचने के बाद अपने मन का गुबार और प्रेम दोनों निकालती है। मानो या न मानो, कही न कही कुछ तो जनता को नागवार गुजरा। जनता की मर्जी के इतर कुछ भी होगा तो ईवीएम का बटन सामने आते ही निर्णय सुना देगी। समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के गठबंधन ने उत्तर प्रदेश की 80 संसदीय सीटों के चुनाव में भाजपा को स्तब्ध कर दिया है। गठबंधन ने कमाल का प्रदर्शन करते हुए 80 में से 43 सीटें जीत ली हैं जबकि भाजपा को 33 सीटें ही मिल सकी हैं। एनडीए की ताकत यूपी में तो घटी ही है, इसे नकारा नहीं जा सकता है। एनडीए के सहयोगियों की भी ताकत में कमी आई। अपना दल एस दो सीटों से एक पर आ गया है।रालोद को छोड़ बाकी सहयोगी हारे हैं। ओमप्रकाश राजभर हो या संजय निषाद अपने पुत्रों को संसद नही भेज पाये। जीत में मदद की उम्मीद में दारा सिंह चौहान, ओमप्रकाश राजभर को कैबिनेट में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शामिल किया, लेकिन निराशा हाथ आई। घोसी में न कोई करिश्मा दिखा पाये न गाजीपुर में।भाजपा की सहयोगी रालोद ने दो व अपना दल ने एक जीती है। आजाद समाज पार्टी कांशीराम को भी एक सीट मिली है। 2014 की तरह बसपा का इस बार भी खाता नहीं खुला है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वाराणसी से लगातार तीसरी बार जीत गए हैं जबकि राहुल गांधी ने रायबरेली और अखिलेश यादव ने कन्नौज से जीत हासिल की है।केंद्र सरकार के सात मंत्री चुनाव हार गए हैं, जिनमें स्मृति इरानी भी शामिल हैं। भाजपा ने अपने 47 सांसदों को फिर से टिकट दिया था, जिनमें 26 चुनाव हार गए हैं।

ग्रीष्मकालीन दोहे

आँख ततेरे ग्रीष्म ऋतु, धूप खींचती कान।
रात्रि भली है भोर से, घातक है दिनमान।।

गर्म हथौड़ा हाथ ले, सूरज हुआ लुहार।
खड़ा पीटने द्वार पर, किससे करें गुहार।।

जाने कितने चाहिए, इसको और अवॉर्ड।
तापमान नित तोड़ता, अपने पूर्व रिकॉर्ड।।

आँच लगे अब छाँव में, हवा लगे ज्यों भाप।
अनुदिन बढ़ती जा रही, तापमान की माप।।

नित मनमानी कर रहा, सूरज तानाशाह।
जीव जंतु तरु नीर की, इसे नहीं परवाह।।

प्राण दिए जिसने हमें, रखी न उसकी आन।
अति लालच ने छीन ली, धरती की मुस्कान।।

पुष्पा प्रांजलि

संक्षिप्त

बाइडन और ट्रंप ने कुछ राज्यों में अपनी पार्टी का प्राइमरी चुनाव जीता

न्यूयॉर्क। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगवलार को कुछ राज्यों में डमोक्रेटिक और रिपब्लिकन पार्टी की ओर से प्राइमरी चुनाव जीत लिया। 'पॉर्न स्टार' स्टॉर्मी डेनियल्स को गुप्त तरीके से धन देने के मामले में रिकॉर्ड में हेराफेरी करने के आरोपों में दोषी ठहराए जाने के बाद पहली बार चुनाव में उतरे ट्रंप ने न्यू मेक्सिको, मोंटाना और न्यू जर्सी में प्राइमरी चुनाव जीता। बाइडन ने न्यू मेक्सिको,

साउथ डकोटा, न्यू जर्सी, मोंटाना और वाशिंगटन डीसी में डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से प्राइमरी चुनाव जीता। ट्रंप और बाइडन दोनों को मंगलवार को हुए मुकाबलों में आसानी से जीत हासिल करने की उम्मीद थी। लेकिन कई अमेरिकियों का कहना है कि वे 2020 के चुनाव को दोहराना नहीं चाहते हैं। रिपब्लिकन पार्टी के प्राइमरी चुनाव में ट्रंप के वर्चस्व को पहले संयुक्त राष्ट्र की पूर्व राजदूत निक्की हेली ने चुनौती दी थी लेकिन बाद में उन्होंने मार्च में राष्ट्रपति चुनाव के लिए उम्मीदवारी हासिल करने की दौड़ से बाहर होने की घोषणा की। हेली ने दो सप्ताह पहले कहा था कि वह नवंबर में ट्रंप के लिए वोट करेंगी। हालांकि, न्यू मेक्सिको में वह प्राइमरी चुनाव की दौड़ में शामिल थीं जहां कईमतदाताओं ने हेली के पक्ष में वोट किया लेकिन मंगलवार देर रात तक उनका वोट प्रतिशत 10 फीसदी से कम था। बाइडन को हमास के साथ इजराइल के युद्ध से निपटने को लेकर डेमोक्रेटिक मतदाताओं की नाखुशी के कारण हाल में हुए मुकाबलों में विरोध का सामना करना पड़ा था। लेकिन इसके बावजूद उन्होंने प्राइमरी चुनाव में जीत दर्ज की। इस बीच, मतदाताओं ने मंगलवार को इन राज्यों में संघीय, राज्य और स्थानीय कार्यालय के लिए प्राइमरी चुनाव में भी वोट डाला।

बंदूकधारी व्यक्ति ने अमेरिकी दूतावास पर हमला किया

एक बंदूकधारी हमलावर ने बेरूत के निकट अमेरिकी दूतावास पर हमला करने का प्रयास किया। लेबनान की सेना ने बुधवार को यह जानकारी दी। लेबनान की सेना ने बयान में बताया कि जवाब में सैनिकों ने एक हमलावर पर गोली चला दी। सेना ने हमलावर की पहचान के बारे में सिर्फ इतना बताया है कि वह सीरिया का नागरिक है। सेना की गोली से घायल हुए हमलावर

को अस्पताल ले जाया गया। स्थानीय मीडिया की खबरों में बताया गया कि बेरूत के उत्तर में एक उपनगर में अमेरिकी राजनयिक मिशन के पास लगभग आधे घंटे तक गोलीबारी हुई। अमेरिकी दूतावास ने बताया कि दूतावास के प्रवेश द्वार पर सुबह हुए हमले में उनके किसी भी कर्मचारी के हताहत होने की सूचना नहीं है और घटना की सूचना मिलते ही लेबनान के सैनिक तथा दूतावास के सुरक्षाकर्मी तुरंत सक्रिय हो गए।

अमेरिका ने सफल चुनाव के लिए भारत सरकार और देश की जनता की सराहना की

अमेरिका ने लोकसभा चुनाव सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए भारत सरकार और देश की जनता की सराहना की। लोकसभा के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने बहुमत के आंकड़े को पार कर लिया है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लगातार तीसरी बार सरकार बनाने जा रहे हैं। हालांकि, तीन हिन्दी भाषी राज्यों में भाजपा को बड़ी संख्या सीटों का नुकसान हुआ है।

दुनिया के अनेक नेताओं ने ऐतिहासिक चुनावी जीत पर दी प्रधानमंत्री मोदी को बधाई

कोलंबो। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी, श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे और नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दाहाल प्रचंड सहित विश्व के तमाम नेताओं ने आम चुनावों में भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की जीत पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बधाई दी है। दुनिया भर के नेताओं ने उनके साथ मिलकर काम करने की इच्छा जताई है। भारत निर्वाचन आयोग ने सभी लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों के चुनाव परिणाम घोषित कर दिए हैं, इसमें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 543 सीट में से 240 पर जीत हासिल की है और कांग्रेस को 99 सीट मिली हैं। आम चुनावों के परिणाम में भाजपा नीत राजग गठबंधन 543 सदस्यीय लोकसभा में 272 के बहुमत के आंकड़े से तो काफी ऊपर है, लेकिन भाजपा 2014 के बाद पहली बार जादुई आंकड़े से पीछे रह गई है। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, लोकसभा चुनाव में जीत पर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बधाई। यह निश्चित है कि हम इटली और भारत को जोड़ने वाली दोस्ती को मजबूत करने के लिए मिलकर काम करेंगे तथा हमारे राष्ट्रों एवं हमारी जनता की भलाई के लिए विभिन्न मुद्दों पर सहयोग करेंगे। श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने भाजपा नीत राजग गठबंधन की जीत पर बधाई दी और साथ ही प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता की समृद्धि और प्रगति का विश्वास जताया। उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट किया, निकटतम पड़ोसी होने के नाते श्रीलंका भारत के साथ मजबूती से साझेदारी के लिए तत्पर है। नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दाहाल प्रचंड ने सत्तारूढ़ गठबंधन की चुनावी सफलता पर अपने भारतीय समकक्ष को बधाई दी। उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट में कहा, भाजपा और राजग की लोकसभा चुनावों में लगातार तीसरी ऐतिहासिक जीत पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बधाई। हमें भारत की जनता की उत्साहपूर्व भागीदारी और दुनिया की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक प्रक्रिया के सफलतापूर्वक संपन्न होने पर प्रसन्नता हो रही है। मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविंद कुमार जगन्नाथ ने मोदी को उनकी ऐतिहासिक जीत पर बधाई दी। जगन्नाथ ने 'एक्स' पर लिखा, प्रधानमंत्री मोदी को ऐतिहासिक तीसरे कार्यकाल के लिए जीत पर बधाई। आपके नेतृत्व में सबसे बड़ा लोकतंत्र लगातार प्रगति के पथ पर अग्रसर रहेगा। मॉरीशस–भारत विशेष संबंध अमर रहें। मालदीव के राष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद मुइज्जू ने भी प्रधानमंत्री मोदी को बधाई दी और साथ ही द्विपक्षीय संबंधों को बेहतर करने और आगे बढ़ाने के लिए भारतीय प्रधानमंत्री के साथ काम करने की इच्छा जाहिर की है। 'एक्स' पर उन्होंने लिखा, प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा नीत राजग को 2024 के भारतीय आम चुनाव में लगातार तीसरी बार सफलता मिलने पर बधाई।'' उन्होंने कहा, मैं दोनों देशों की साझी समृद्धि और स्थिरता के लिए और साझे हितों को आगे बढ़ाने के लिए भारत के साथ मिलकर काम करने के लिए उत्साहित हूं।' पिछले वर्ष नवंबर में चीन समर्थक मुइज्जू के पदभार ग्रहण करने के बाद से ही उनके बयानों और कार्यों ने भारत और मालदीव के बीच के द्विपक्षीय संबंधों को प्रभावित किया है। भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोबगे ने भी मोदी और राजग को लगातार तीसरी ऐतिहासिक जीत के लिए बधाई दी और कहा कि वो उनके साथ मिलकर काम करने के लिए काफी उत्सुक हैं। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, दुनिया के सबसे बड़े चुनाव में लगातार तीसरी ऐतिहासिक जीत के लिए मेरे दोस्त प्रधानमंत्री मोदी जी और राजग को बधाई। वह आने वाले समय में भारत को नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगे और मैं दोनों देशों के बीच के संबंधों को और मजबूत करने के लिए उनके साथ काम करने के लिए उत्साहित हूं।

कर नीतियों पर आपस में भिड़ गए सुनक और स्टार्मर, इमीग्रेशन पर भी पहली डिबेट में हुई चर्चा

प्रधानमंत्री ऋषि सुनक और लेबर चौलेंजर कीर स्टार्मर 4 जून को जुलाई चुनाव से पहले अपनी पहली बहस में आमने–सामने नजर आए। ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था को कैसे पुनर्जीवित किया जाए इस मुद्दो को लेकर दोनों नेता आपस में भिड़ गए। सुनक ने विपक्ष पर आरोप लगाया कि अगर वह आगामी 4 जुलाई को चुनाव जीतता है तो वह कर बढ़ाने की योजना बना रहा है। ब्रिटेन के आम चुनावों से कुछ हफ्ते पहले, अपनी पहली बहस में दोनों नेता अपने अभियान के बयानों पर अड़े रहे। कंजर्वेटिव सुनक ने दावा किया कि केवल उनके पास अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए एक व्यवहार्य रणनीति है, जबकि स्टार्मर ने कंजर्वेटिवों को 14 साल की आर्थिक अराजकता के लिए जिम्मेदार बताया। जीवंत बहस के दौरान, ब्रिटिश राजनीति में एक अपेक्षाकृत हालिया विशेषता जो महत्वपूर्ण मतदाताओं का ध्यान आकर्षित करती है, नेताओं ने जीवनयापन संकट, सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा प्रतीक्षा सूची और आप्रवासन पर बहस की। सवालों में आम मतदाता की चिंताओं पर प्रकाश डाला गया। श्रम, उच्च कर, और आक्रामक पर सुनक ने कंजर्वेटिव हमले को दोहराया कि लेबर की एकमात्र योजना प्रति कंजर्वेटिव हमले को दोहराया कि लेबर की एकमात्र योजना प्रति व्यक्ति ख 2,000 (+ 2,500 से अधिक) कर बढ़ाने की थी।

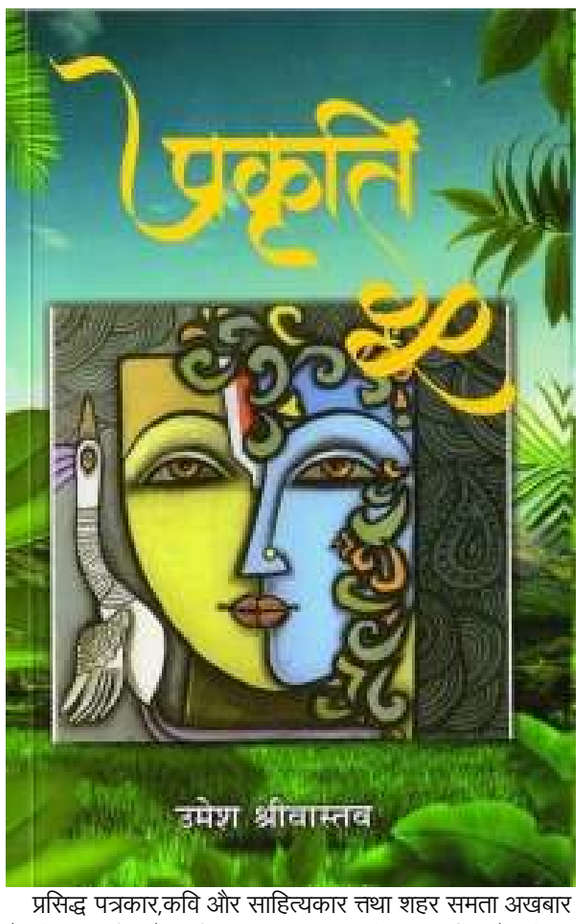

प्रसिद्ध पत्रकार,कवि और साहित्यकार त्तथा शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव का काव्य संग्रह ष्प्रकृतिष् लोकरंजन प्रकाशन द्वारा प्रकाशित किया गया है और अमेजन पर उपलब्ध है।

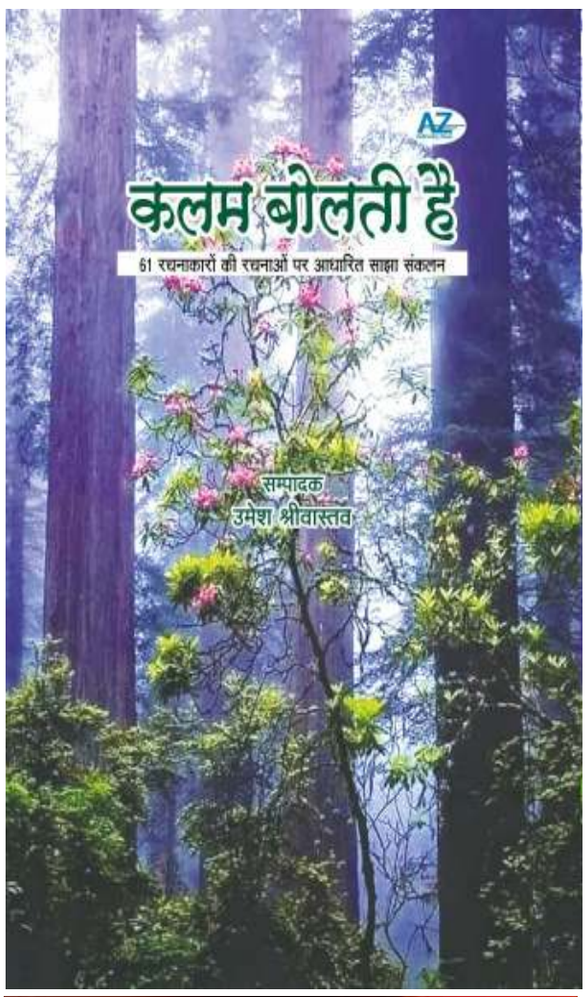

आपको कामयाबी मिले! जीत पर दोस्त नेतन्याहू ने मोदी को ऐसे दी बधाई

इज़राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बुधवार को हाल ही में संपन्न लोकसभा चुनाव 2024 में लगातार तीसरी बार जीत हासिल करने के लिए प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। एक्स पर नेतन्याहू ने लिखा कि मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लगातार तीसरी बार फिर से चुने जाने पर हार्दिक बधाई देता हूं। भारत और इजराइल की दोस्ती नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ती रहे। आपको कामयाबी मिले! इससे पहले आज, यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर ज़ेलेंस्की ने जीत हासिल करने के लिए प्रधान मंत्री

नरेंद्र मोदी को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। एक सोशल मीडिया पोस्ट में उन्होंने लिखा मैं भारत में दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक चुनावों के सफल आयोजन का स्वागत करता हूं। भारत के संसदीय चुनावों में लगातार तीसरी जीत पर प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा और भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए को बधाई। इसके अलावा, उन्होंने वैश्विक परिप्रेक्ष्य में भारत के बढ़ते प्रभाव को रेखांकित किया और इस बात पर जोर दिया कि कैसे दुनिया में हर कोई वैश्विक मामलों में भारत की भूमिका के महत्व और महत्व को पहचानता है। भारत के चुनाव आयोग ने सभी लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों के नतीजे घोषित कर दिए हैं, जिसमें भारतीय जनता पार्टी ने 543 सीटों में से 240 और कांग्रेस ने 99 सीटों पर जीत हासिल की है। 543 सदस्यीय लोकसभा में भाजपा के नेतृत्व वाला एनडीए बहुमत के आंकड़े 272 से ऊपर है। 2014 के बाद पहली बार बीजेपी जादुई आंकड़े से पीछे रह गई है।

फिर एक बार अमेरिकी दूतावास पर निशाना, आधे घंटे तक चली गोलियां, लेबनानी सैनिकों ने एक को पकड़ा

बेरूत। लेबनान की राजधानी बेरूत में अमेरिकी दूतावास पर हमले का प्रयास करने वाले बंदूकधारी को लेबनानी सैनिकों ने पकड़ लिया। यह घटना लेबनान में जारी तनाव के बीच घटी। दरअसल, पिछले एक महीने से सीमावर्ती क्षेत्रों में हिजबुल्ला आतंकी और इस्राइली सैनिकों के बीच झड़प जारी है। लेबनानी सेना ने एक बयान जारी कर बताया कि सैनिकों ने एक हमलावर को गोली मार दी। उन्होंने हमलावर की पहचान सीरिया के नागरिक के तौर पर की है। गोली लगने के बाद हमलावर को अस्पताल ले जाया गया। हालांकि, इस घटना के बाद हमलावर के हमले का उद्देश्य क्या था, यह स्पष्ट नहीं हो पाया है। लेबनानी मीडिया ने एक तस्वीर जारी की, जिसमें हमलावर खून से लथपथ हमलावर एक ने काली रंग की बनियान पहन रखी थी। उसके बनियान में इस्लामिक स्टेट लिखा हुआ था।

अमेरिकी दूतावास के बाहर आधे घंटे तक चली गोलीबारी लेबनानी मीडिया ने बताया कि अमेरिकी दूतावास के बाहर करीब आधे घंटे तक गोलीबारी हुई।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।

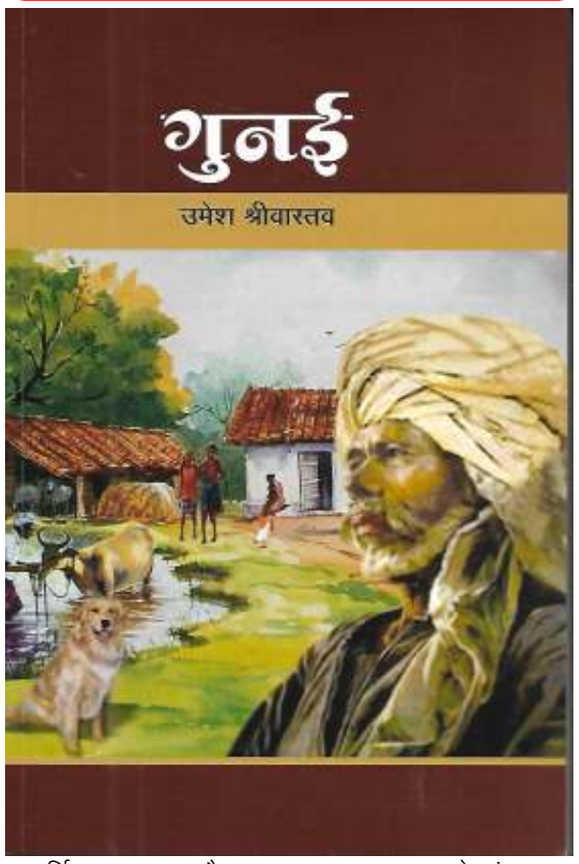

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

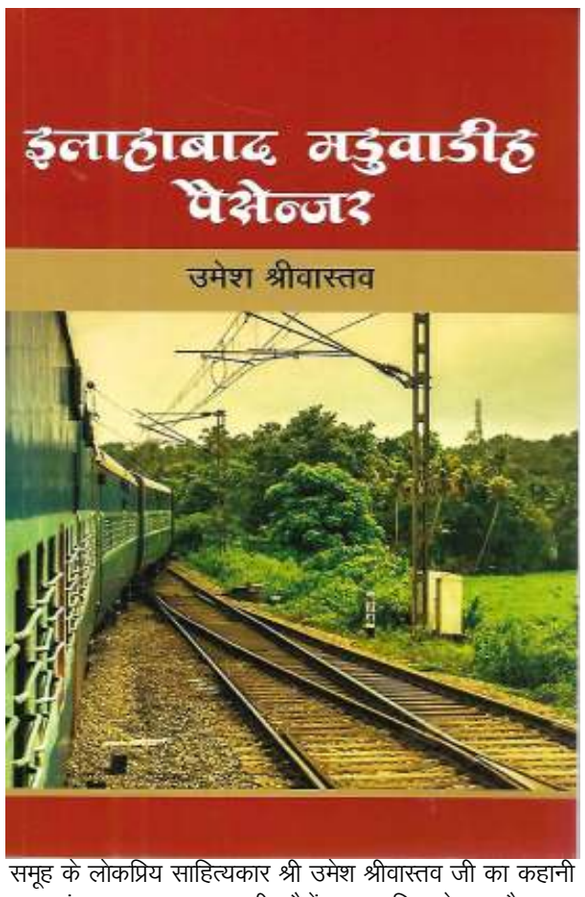

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

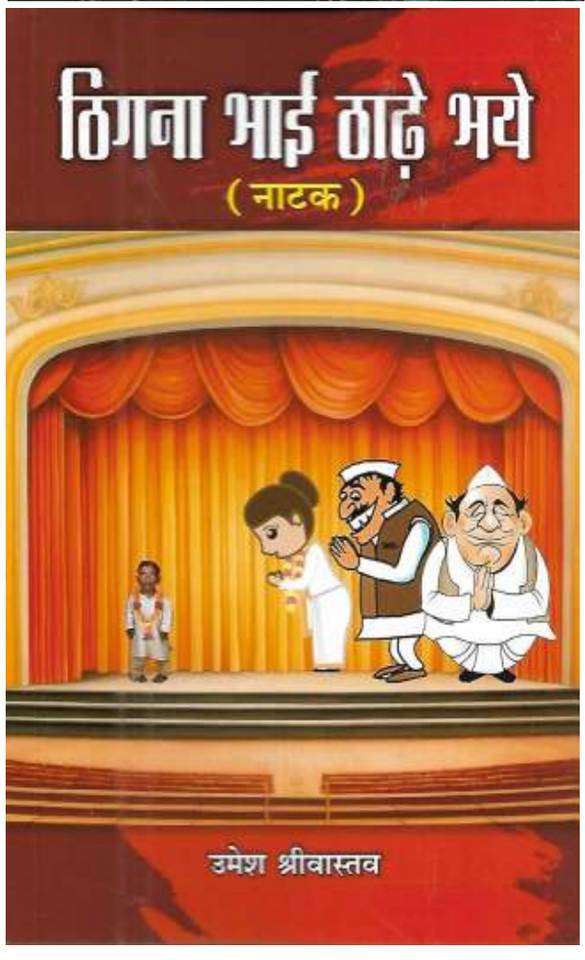

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)